हिंदी

कक्षा IX

टीचर टेक्स्ट

भूमिका

केरल की स्कूली पाठ्यचर्या प्रत्यय संरचनावाद या ज्ञाननिर्मितवाद पर आधारित है। छात्रों के संज्ञानात्मक विकास के लिए उचित अधिगम अनुभवों का आयोजन, उसका निर्वाह तथा अधिगम गतिविधियों के साथ-साथ आकलन करना भी शिक्षक का दायित्व है। विभिन्न साहित्यिक रचनाएँ, रसीली-रोचक गतिविधियाँ आदि के द्वारा ज्ञान का निर्माण सुनिश्चित करना नवीं कक्षा की हिंदी पाठ्यपुस्तक की मंजिल है।

शिक्षा का उद्देश्य अच्छे इंसानों का रूपायन है। इससे अधिगम गतिविधियों से गुज़रने के साथ-साथ कुछ मूल्य और मनोभाव पैदा करना भी पाठ्यचर्या का लक्ष्य है। ऐसे मूल्य और मनोभावों के रूपायन में भी नवीं की हिंदी पाठ्यपुस्तक और उसकी गतिविधियाँ मददगार रहेंगी।

कक्षाई गतिविधियों के सफल आयोजन में शिक्षकों को दिशा-निर्देशन देने तथा सामग्री प्रदान करने की बात को दृष्टि में रखकर शिक्षक साथी (टीचर टेक्स्ट) बनाया गया है। आशा है शिक्षक बंधु इसकी मदद से शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं का सफल आयोजन व संचालन करेंगे और पाठ्यचर्या में लक्षित अधिगम उद्देश्यों तक छात्रों को पहुँचाने में सफल बनेंगे।

वार्षिक आयोजन - कक्षा - 9

क्र.सं	महीना	इकाई	पाठ का नाम
1	जून	1 1	झटपट और नटखट बहुत दिनों के बाद
2	जुलाई	1 2	बूढ़ी काकी घर
3	अगस्त	2 2 3	घर (ज़ारी...) फूल जब गांधीजी की घड़ी चोरी चली गई
4	सितंबर	 3	**प्रथम कार्यकालांत मूल्यांकन** जब गांधीजी की घड़ी चोरी चली गई (ज़ारी...)
5	अक्तूबर	3 4	जन-जन का चेहरा एक फुटबॉल के दिल का राजा
6	नवंबर	4	घर, पेड़ और तारे की याद
7	दिसंबर	4	कब तक? **दूसरा कार्यकालांत मूल्यांकन**
8	जनवरी	5	राजा और विद्रोही
9	फरवरी	5	बोनज़ाई

इकाई रूपरेखा Unit 1

प्रोक्ति	अधिगम उद्देश्य	आशय धारणा	मूल्य और मनोभाव	अधिगम गतिविधियाँ	आकलन	समय
चित्र वाचन	■ कम शब्दों में विशाल आशय का संप्रेषण करने में दोहे की सक्षमता पहचानने को समर्थ बनाना।	■ कम शब्दों में विशाल आशयों के संप्रेषण के लिए दोहा एक सशक्त माध्यम है।	■ दोहे के श्रवण और वाचन में तत्परता दिखाता है।	◆ दोहे का वाचन ◆ दोहे का विश्लेषण	चर्चा में भागीदारी का आकलन मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन	1 कालांश
	■ यह आशय पहुँचाना कि कबीर ने अपने दोहे में प्रेम का महत्वपूर्ण वर्णन किया है।	■ प्रेम और ज्ञान परस्पर संबंधित हैं,बिना प्यार के कोई ज्ञानी नहीं बनता।	■ जिंदगी में प्यार और दोस्ती बनाए रखने की कोशिश करता है।	◆ दोहे का वाचन ◆ दोहा पढ़कर आशय समझना	छात्रों की प्रतिक्रिया का आकलन मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन	
दोहे का वाचन	■ चित्र के विश्लेषण द्वारा प्रश्नों का आशय समझकर मौखिक अभिव्यक्ति करने की दक्षता बढ़ाना।	■ चित्रों के विश्लेषण के द्वारा आशयों का संप्रेषण संभव है।	■ चित्रों का विश्लेषण करके आशय प्रकट करने में रुचि बढ़ जाती है।	◆ चित्र वाचन ◆ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा ◆ संक्षिप्तीकरण	मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन	
	■ प्यार और खुशी के परस्पर संबंध को समझाना ।	■ प्यार और खुशी परस्पर संबंधित हैं।	■ सहजीवियों के प्रति प्यार और हमदर्दी का भाव दिखाता है।	◆ चित्र वाचन ◆ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा ◆ संक्षिप्तीकरण	छात्रों की प्रतिक्रिया का आकलन	
कहानी (झटपट और नटखट)	■ सरल वाक्यों की संरचना को समझाना और उनका प्रयोग कराना ।	■ सरल वाक्यों के ज़रिए आशयों का संप्रेषण आसान है।	■ सरल वाक्यों के द्वारा विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करता है।	◆ कहानी का वाचन ◆ कथानक, प्रयुक्त शब्दावली, वाक्य संरचना आदि का विश्लेषण ◆ वर्कशीट की पूर्ति	वाचन का आकलन मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन	10 कालांश
	■ नए शब्दों का परिचय देते	■ शब्द भण्डार की	■ बोलने, पढ़ने और	◆ कहानी का वाचन	सस्वर वाचन का	

	हुए दूसरे संदर्भ में उनका प्रयोग करने की क्षमता बढ़ाना ।	वृद्धि होने से पढ़ने, बोलने और लिखने की गति में उन्नति और सटीकता आती है।	लिखने में रुचि बढ़ जाती है।	◆ शब्दावली(शब्दकोश) की मदद से नए शब्दों का आशय पहचानना ◆ दल में चर्चा	आकलन चर्चा में सक्रिय होने का आकलन	
	■ पारिवारिक बंधन की मज़बूति को समझाकर ज़िम्मेदारी और सहयोग की भावना विकसित कराना।	■ समानुभूति के साथ दूसरों की मदद करने से ज़िंदगी सफल बनती है।	■ प्यार, रिशता और दोस्ती का महत्व पहचानकर उचित व्यवहार करता है।	◆ कहानी का वाचन ◆ दल में चर्चा ◆ कथानक, दृष्टिकोण आदि का विश्लेषण	सस्वर वाचन का आकलन मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन	
	■ दूसरों को उचित मान्यता देते हुए स्वजीवन में खुशी फैलाने का मनोभाव पैदा करना।	■ औरों की परवाह करने से ज़िंदगी संतोषमय हो जाती है।	■ क्षमा और समझौता करने की क्षमता को अपनाकर ज़िम्मेदारी निभाता है।	◆ कहानी का वाचन ◆ दल में चर्चा ◆ कथानक, दृष्टिकोण आदि का विश्लेषण	वाचन का आकलन मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन	
	■ कहानी की घटनाओं को सही क्रम से पहचानने और समझने की अवधारणा पैदा करना।	■ घटनाओं को क्रमबद्ध करने से कहानी के आशय को समग्रता के साथ ग्रहण कर सकता है।	■ कहानी की मुख्य बिंदुओं और घटनाओं को सारांशित करता है।	◆ कहानी का वाचन ◆ घटनाओ की सूची तैयार करना ◆ घटनाओं को क्रमबद्ध करना	कहानी की घटनाओं की क्रमबद्धता का आकलन अभिव्यक्ति का आकलन	
	■ पारिवारिक जीवन में सहकारिता का बोध पैदा करना।	■ पारिवारिक जीवन में ज़रूरत पड़ने पर औरों के प्रति हमदर्दी और समानुभूति दिखानी है।	■ परिजनों के साथ प्यार और समानुभूति के साथ व्यवहार करता है।	◆ कहानी का वाचन ◆ कहानी का कथानक, दृष्टिकोण आदि का विश्लेषण ◆ दलों में चर्चा	वाचन का आकलन चर्चा में भागीदारी का आकलन	
	■ सहकारिता और आदान-प्रदान के द्वारा संतुष्ट जीवन बिताने का मनोभाव जगाना।	■ दूसरों के साथ सहयोगपूर्ण और प्रेमपूर्वक व्यवहार करना है।	■ सहयोगपूर्ण व्यवहार से सफल जीवन बिताता है।	◆ कथानक, दृष्टिकोण आदि का विश्लेषण ◆ कहानी का वाचन ◆ प्रश्नों के ज़रिए चर्चा	सस्वर वाचन का आकलन मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन	

	■ वाक्य संरचना में विराम चिह्नों की अहमियत समझाना ।	■ पूर्ण विराम, अर्ध विराम, अल्प विराम, अवतरण चिह्न आदि के उचित प्रयोग से आशयों की स्पष्टता सुनिश्चित हो जाती है।	■ मौखिक तथा लिखित भाषा में विराम चिह्नों का उचित प्रयोग करता है।	◆ कहानी का वाचन ◆ कई तरह के विराम चिह्नों का विश्लेषण ◆ वर्कशीट की पूर्ति	वाचन का आकलन अभिव्यक्ति का आकलन	
	■ विभिन्न प्रकार के विशेषणों के उचित प्रयोग द्वारा भाषाई सौंदर्य बढ़ाने में सक्षम बनाना।	■ आशयों की स्पष्टता आसान हो जाने के लिए विशेषणों का सही प्रयोग सहायक है।	■ विशेषणों को पहचानकर प्रभावी ढंग से अपने वाक्य में प्रयोग करता है।	◆ विशेषण शब्दों को पहचानने का कार्य ◆ वर्कशीट की पूर्ति	वर्कशीट का आकलन प्रतिक्रिया का आकलन	
	■ कहानी के पात्रों की विशेषताएँ पहचानने की क्षमता बढ़ाना ।	■ कहानी के हर एक पात्र का अपना अपना व्यक्तित्व होता है।	■ औरों के चरित्र का विश्लेषण करके अच्छी बातों को अपनाता है।	◆ कहानी का वाचन ◆ चर्चा ◆ वर्कशीट की पूर्ति	वाचन का आकलन वर्कशीट का आकलन	
	■ 'आना' शब्द के विशेष अर्थ से परिचय कराना	■ प्रसंग के आधार पर शब्दों के अर्थ में परिवर्तन आता है।	■ प्रसंग समझकर सही शब्दों का प्रयोग करता है।	◆ अभ्यास कार्य की पूर्ति	अभिव्यक्ति का आकलन	
	■ हरेक में मौजूद हुनर को पहचानने में समर्थ बनाना।	■ हर व्यक्ति कुछ न कुछ हुनर रखता है।	■ हरेक की कार्यकुशलता को मानता है।	◆ अभ्यास कार्य की पूर्ति	लिखित अभिव्यक्ति का आकलन	
	■ विभिन्न घटनाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्त करने की क्षमता बढ़ाना।	■ किसी घटना का स्वभाषा में आख्यान करना एक भाषाई दक्षता है।	■ स्वाभाविक शैली में सरल भाषा का प्रयोग करके प्रभावातमक ढंग से घटना का वर्णन करता है।	◆ घटना का वर्णन	मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन घटना-वर्णन का आकलन	
	■ सूचनाओं के संप्रेषण केलिए पर्याप्त पोस्टर के सृजन की क्षमता बढ़ाना।	■ सूचनाओं का प्रचार-प्रसार करने में पोस्टर एक सार्थक	■ छोटे-छोटे सरल वाक्यों में आकर्षक रूपरेखा के साथ	◆ पोस्टर की तैयारी ◆ चर्चा के ज़रिए पोस्टर के आकलन सूचकों	सूचकों के आधार पर पोस्टर का आकलन	

		उपाय है।	सूचनाओं का संप्रेषण करने योग्य पोस्टर तैयार करता है।	का चयन		
	■ आपातकालीन स्थिति में दूसरों की मदद करने और संदर्भानुकूल कार्य करने में सक्षम बनाना।	■ आपातकालीन स्थिति में औरों की सहायता करना अनिवार्य है।	■ दूसरों के प्रति समानुभूति दिखाते हुए सामाजिक जिम्मेदारी निभाता है।	◆ कहानी का वाचन ◆ समूह कार्य ◆ आपसी चर्चा	चर्चा में भागीदारी का आकलन मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन	
	■ वर्तमानकालिक वाक्य में कर्ता,क्रिया अन्विति की विशेषता समझकर नए संदर्भ में प्रयोग करने की क्षमता बढ़ाना।	■ वर्तमानकालिक वाक्य संरचना में क्रिया का रूप कर्ता के लिंग वचन के अनुसार रहता है।	■ वाक्य संरचना में नियमों का पालन करके सही प्रयोग करता है।	◆ स्लाइड की प्रस्तुति ◆ चर्चा ◆ संक्षिप्तीकरण ◆ अभ्यास कार्य	चर्चा में में भागीदारी का आकलन लिखित अभिव्यक्ति का आकलन	
	■ स्पष्ट,संक्षिप्त और स्वाभाविक ढंग से बातचीत करने और बातचीत लिखने में सक्षम बनाना।	■ औरों के साथ स्पष्ट, संक्षिप्त व स्वाभाविक ढंग से बातें करना एवं बातचीत लिखना एक भाषाई दक्षता है।	■ दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से बातें करता है।	◆ बातचीत की तैयारी ◆ बातचीत ◆ संवाद की पूर्ति	मौखिक तथा लिखित अभिव्यक्ति का आकलन	
	■ प्रौद्योगिकी की मदद से आत्मविश्वास के साथ प्रभावी ढंग से कहानी प्रस्तुत करने में समर्थ बनाना ।	■ प्रौद्योगिकी की मदद से कहानी को प्रभावी ढंग से पेश कर सकता है।	■ प्रौद्योगिकी की सुविधा के ज़रिए और भी आकर्षक ढंग से कहानी सुनाता है।	◆ कहानी का वाचन ◆ वाचन का रेकॉर्डिंग	अभिव्यक्ति का आकलन	

प्रोक्ति	अधिगम उद्देश्य	आशय/धारणा	मून्य/मनोभाव	अधिगम गतिविधियाँ	आकलन	
बहुत दिनों के बाद (कविता)	◆ कविता के रूपपरक व भावपरक पहलुओं के विश्लेषण के द्वारा आशयग्रहण करके कवितापाठ करने को सक्षम बनाना ।	◆ कवितापाठ को सफल और सक्रिय बनाने के लिए कविता के बहुस्तरीय आशयों से अवगत होना ज़रूरी है ।	◆ कवितापाठ करने में रुचि रखता है ।	◆ "*मेरा नया बचपन*", "*यह दौलत भी ले लो*" कविताओं की पंक्तियों की स्लाइड़ की प्रस्तुति । ◆ कविताओं का वाचन । ◆ कविताओं के ऑडियो को सुनने का अवसर । ◆ कवितापाठ की विशेष-ताओं पर चर्चा ।	कविताओं के वाचन का आकलन चर्चा में मेंभागीदारी का आकलन	
	◆ बचपन की यादों से भरी कविता पढ़कर उसका मूल भाव समझने को समर्थ बनाना ।	◆ बचपन की मधुर यादें हमेशा मनमोहक हैं।	◆ कविता पाठ में रुचि रखता है ।	◆ कवितापाठ की प्रस्तुति		6 कालांश
	◆ प्रसंग और संकेतों की सहायता से कविता में प्रयुक्त अपरिचित शब्दों के अर्थ निर्धारित करने व उनको परिभाषित करने को सक्षम बनाना।	◆ किसी कविता का आशय समझने के लिए उसे बारीकी से पढ़ने, मुख्य शब्दावली के कोशीय अर्थ और भावार्थ पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है	◆ कविता का गहरा विश्लेषण करने में तत्पर होता है ।	◆ बहुत दिनों के बाद कविता का वैयक्तिक वाचन । ◆ दलों में कविता का विश लेषण व आशयों का आदान-प्रदान । ◆ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के द्वारा कविता के आशय की व्याख्या ।	चर्चा में मेंभागीदारी का आकलन मौखिक तथा लिखित अभिव्यक्ति का आकलन	
	◆ विचारों व भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए प्रयुक्त शब्दावली,ताल-लय पैदा करने वाली छंद-योजना, अर्थ की गहराई के द्योतक प्रतीक, कल्पना का प्रयोग आदि का विश्लेषण करके कविता का बहुस्तरीय आशय समझने की	◆ प्रयुक्त शब्दावली,छंद-योजना, बिंब और प्रतीक,कवि-कल्पना आदि का विश्लेषण करके कविता का बहुस्तरीय वाचन करने में रुचि रखता है ।	◆ कविता का बहुस्तरीय वाचन करने में रुचि रखता है ।	◆ प्रयुक्त शब्दावली, छंद-योजना,बिंब-प्रतीक, कवि की कल्पना पर चर्चा । ◆ आशय का विश्लेषण और संक्षिप्तीकरण ।		

	क्षमता बढ़ाना।					
	◆ शब्दों की तालात्मक पुनरा-वृत्ति, अलंकार, अनुप्रास आदि के सामंजस्य से उत्पन्न कविता के सौंदर्य को समझने की क्षमता पैदा करना ।	◆ शब्दों की तालात्मक पुनरावृत्ति, अलंकार, अनुप्रास आदि के सामंजस्य से कविता का सौंदर्य बढ़ता है।	◆ कविता का अस्वादन करता है ।	◆ कविता का वाचन। ◆ कविता में प्रयुक्त विशेषार्थी शब्दों का चयन। ◆ सही मिलान करने के लिए स्लाइड का प्रस्तुतीकरण।	कविता के सस्वर वाचन का आकलन सही मिलान का आकलन	
	◆ देहाती इलाकों के प्राकृतिक-सौंदर्य के वर्णन के लिए, कविता में प्रयुक्त चित्रात्मक भाषा पहचानने को सक्षम बनाना ।	◆ चित्रात्मक भाषा का प्रयोग कविता का सौंदर्य बढ़ाता है ।	◆ अपनी अभिव्यक्ति में वर्णनात्मकत्मक भाषाा का प्रयोग करता है ।	◆ कविता का वाचन। ◆ देहात के प्राकृतिक सौंदर्य को सूचित करनेवाली पंक्तियों का विश्लेषण। ◆ ग्रामीण सौंदर्य को सूचित करनेवाली पंक्तियों का चयन।	मौखिक तथा लिखित अभिव्यक्ति का आकलन	
	◆ कविता के अनोखे वर्णन द्वारा प्रकृति सौंदर्य को बनाए रखने का बोध दिलाना ।	◆ प्रकृति के अनोखे सौंदर्य को बनाए रखना है ।	◆ प्रकृति के अनोखे सौंदर्य को बनाए रखने के काम में भाग लेता है ।	◆ कविता का वाचन। ◆ कविता में प्रयुक्त विशेषार्थी शब्दों का चयन। ◆ सही मिलान करने के लिए स्लाइड का प्रस्तुतीकरण।	सही मिलान करने का आकलन	
	◆ कविता का सौंदर्य बढ़ानेवाले विशेषार्थी क्रिया-विशेषण अव्यय को पहचानने की क्षमता बढ़ाना ।	◆ विशेषार्थी क्रिया-विशेषण अव्यय का प्रयोग करने से कविता का आशय और गहरा हो जाता है ।	◆ विशेषार्थी क्रिया-विशेषण अव्यय का प्रयोग करता है ।	◆ कविता का वाचन। ◆ कविता में प्रयुक्त विशे षार्थी क्रिया-विशेषण अव्ययों का चयन । ◆ क्रिया-विशेषण अव्ययों का विश्लेषण और संक्षिप्तीकरण ।	कविता के सस्वर वाचन का आकलन मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन	
	◆ विशेषण-विशेष्य संबंध पहचानकर नए संदर्भ में प्रयोग करने की दक्षता प्रदान करना ।	◆ विशेष्य के लिंग और वचन के अनुसार कुछ विशेषणों का रूप बदलता है ।	◆ विशेषणों का सही प्रयोग करता है ।	◆ कविता का वाचन। ◆ कविता में प्रयुक्त विशे-षण शब्दों का चयन । ◆ विशेष्य-विशेषण संबंधों पर	मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन	

				चर्चा और संक्षिप्तीकरण		
	◆ कविता के शिल्पपक्ष और भावपक्ष की विशेषताएँ पहचानने की दक्षता प्रदान करना ।	◆ कविता के दो पक्ष होते हैं, शिल्पपक्ष और भावपक्ष ।	◆ कविता के शिल्पपक्ष और भावपक्ष की व्याख्या करने में रुचि रखता है ।	◆ कविता का वाचन। ◆ कविता की रूपपरक व भावपरक विशेषताओं पर चर्चा और संक्षिप्तीकरण	चर्चा में मेंभागीदारी का आकलन	
	◆ कवि एवं कविता का परिचय, पंक्तियों का भावार्थ, अपना विचार, शीर्षक आदि के साथ कविता का आशय लिखने की दक्षता प्रदान करना ।	◆ कवि एवं कविता का ज़िक्र, पंक्तियों का भावार्थ, अपना विचार, शीर्षक आदि शामिल करके कविता का आशय लिखने से कविता का परिचय संभव है ।	◆ कविता का संदर्भोचित आशय लिखने में रुचि रखता है।	◆ कविता का वाचन। ◆ कवि और कविता के परिचय कराने पर चर्चा ◆ मुख्य आशय संबंधी बिंदुओं को सूचीबद्ध कराना । ◆ व्यक्तिगत तौर पर कविता आशय लिखने का कार्य । ◆ दल में विचार-विमर्श । ◆ दल द्वारा लेखन । ◆ दलों की प्रस्तुति ◆ टीचर की प्रस्तुति ◆ संशोधन कार्य ।	वैयक्तिक रचना का आकलन समूह चर्चा में भागीदारी का आकलन	
	◆ कविता का आशय, भाव, छंद योजना आदि समझकर बेहतरीन उच्चारण शैली और अंग-भंगिमा के साथ आलाप करने की क्षमता पैदा करना ।	◆ कविता का आशय, भाव, छंद योजना आदि समझकर बेहतरीन उच्चारण शैली और अंग-भंगिमा के साथ आलाप करने से काव्यपाठ आकर्षक बनता है ।	◆ कविता पाठ करने में रुचि रखता है ।	◆ कविता पाठ की तैयारी पर चर्चा ◆ कवितापाठ की प्रस्तुति ◆ दल में परिमार्जन ।	कवितापाठ का आकलन	
बूढ़ी काकी ब्लर्ब	◆ विभिन्न प्रकार के ब्लर्ब को पहचानने और समझने का अवसर देना।	◆ सिनेमा, किताब आदि का परिचय कराने में शस्ति बहुत मददगार है।	◆शस्ति पढ़कर साहित्यिक परिप्रेक्ष्य का विकास करता है।	◆ सिनेमा पर चर्चा ◆ लेखन कार्य ◆ शस्ति का परिचय करान	चर्चा मेंभागीदारी का आकलन	3 कालांश

(शस्ति)					वैयक्तिक रचना का आकलन	
	◆ प्रभावी ढंग से ब्लर्ब लिखने के लिए आवश्यक तत्वों को समझाना।	◆ किसी पुस्तक, सिनेमा या चीज़ का संक्षिप्त परिचय, विशेषताएँ आदि शस्ति में शामिल करनी हैं।	◆ किसी पुस्तक, सिनेमा या चीज़ के बारे में ब्लर्ब लिखकर दर्शकों या ग्राहकों को उसकी ओर प्रेरित करता है।	◆ शस्ति का वाचन ◆ शस्ति की विशेषताओं पर चर्चा ◆ फिल्म का प्रदर्शन	वाचन का आकलन चर्चा मेंभागीदारी का आकलन	
	◆ ब्लर्ब का उपयोग करके अपने विचारों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने में सक्षम बनाना।	◆ साहित्यिक रचनाओं तथा उत्पन्नों के प्रचार-प्रसार में शस्तियों से लाभ उठाना है।	◆ आकर्षक और प्रभावी ढंग से शस्ति तैयार करता है ।	◆ फिल्म का विश्लेषण ◆ अपनी शस्ति की तैयारी	अभिव्यक्ति का आकलन	
	◆ ब्लर्ब का इस्तेमाल करके विभिन्न विषयों के बारे में अधिक जानने के लिए प्रेरित करना।	◆ ब्लर्ब के ज़रिए विभिन्न विषयों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है।	◆ किसी विचार या मुद्दे के बारे में ब्लर्ब लिख कर लोगों को इसके बारे में सोचने और चर्चा करने के लिए प्रेरित करता है।	◆ शस्ति की विशेषताओं पर चर्चा ◆ लेखन कार्य पर चर्चा	चर्चा मेंभागीदारी का आकलन	
	◆ ब्लर्ब के माध्यम से दूसरों के साथ जुड़ने और विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए प्रेरित करना।	◆ दूसरों के साथ जुड़ने और विचारों के संप्रेषण में ब्लर्ब सहायक है।	◆ सामाजिक जीवन में भी ब्लर्ब पढ़ने और लिखने से लाभ उठाता है।	◆ ब्लर्ब के आकलन सूचकों पर चर्चा ◆ शस्ति का परिमार्जन	वैयक्तिक रचना का आकलन	
	◆ किसी उत्पाद, साहित्य रचना या सेवा के बारे में ब्लर्ब लिखने को सशक्त करना।	◆ किसी पुस्तक, सिनेमा या चीज़ के बारे में ब्लर्ब लिखकर ग्राहकों को उसकी ओर आकर्षित कर सकता है।	◆ शस्ति तैयार करने में तत्पर हो जाता है।	◆ शस्ति की विशेषताओं पर चर्चा ◆ ब्लर्ब के आकलन सूचकों पर चर्चा	चर्चा मेंभागीदारी का आकलन	
	◆ नवीनतम प्रौद्योगिकी की मदद से शस्ति तैयार करने में समर्थ बनाना।	◆ नवीनतम प्रौद्योगिकी की मदद से ब्लर्ब और भी आकर्षक बनता है।	◆ नवीनतम प्रौद्योगिकी की मदद से ब्लर्ब तैयार करने में रुचि बढ़ती है।	◆ परिमार्जन कार्य ज़ारी ◆ अंतिम उपज की तैयारी	वैयक्तिक रचना का आकलन	

इकाई-1
जिएँ, जी भर...

ज़िंदगी प्यार से फूलें

विकसित देश की परिकल्पना को सार्थक बनाते हुए राष्ट्र को प्रगति और भलाई की ओर ले जाने में स्वस्थ समाज की अहम भूमिका है। मानव जीवन को संतुष्ट बनाने के लिए समाज के सदस्यों के बीच इनसानियत के साथ-साथ दोस्ती तथा पारिवारिक रिश्ता बनाए रखना अनिवार्य है। औरों को खुश करने से हमारी खुशी का स्तर और भी बढ़ जाएगा। हार्दिक दोस्ती से ज़िंदगी संतोषपूर्ण हो जाती है। बच्चों से प्यार करना और बड़ों का आदर करना उत्तम नागरिकों के महान गुण हैं। वर्तमान शहरीकरण के ज़माने में देहाती किसानी संस्कृति की जड़ों को और भी मज़बूत बनाना है। अणु-परिवार के युग में फैलने वाली स्वार्थी शख्सियत के बदले मानवता तथा समानता का अवबोध फैलाना अनिवार्य है।

ग्रामीण संस्कृति की स्वच्छता से साँस लेते हुए सहयोग के रास्ते से जीवन बिताने वाले दो छोटे भाइयों के व्यवहार से संपन्न, रमेश उपाध्याय की कहानी 'झटपट और नटखट' से आपसी सहकारिता और दोस्ती का सबक ज़रूर मिलेगा।

बीते दिनों की सुमधुर यादों के साथ अपने गाँव में वापस पहुँचने वाले कवि नगार्जुन की 'बहुत दिनों के बाद' कविता की सुंदर पंक्तियाँ मन में प्रकृति प्रेम से भरी हुई देहाती किसानी संस्कृति को झलकाने लायक हैं।

प्रेमचंद की 'बूढ़ी काकी' कहानी की पात्र, भूखी-प्यासी काकी के साथ प्यार से समानुभूति दिखाने वाली बच्ची की बातें अणु-परिवारों से संपन्न प्रौद्योगिकी के ज़माने में भी हमारे सामने कई सवाल उठाती हैं।

साथ ही कर्ता क्रिया अन्विति, विशेषण-विशेष्य का परिचय जैसे कुछ वाक्य संरचना-परक कार्य भी इस इकाई में शामिल हैं। आशा है कि हिंदी के महान साहित्यकारों की कहानी, कविता और शस्ति (ब्लर्ब) आदि से समृद्ध इस पहली इकाई के कार्यों को आकर्षक व रसीली गतिविधियों के ज़रिए सफल बनाते हुए, छात्रों को अधिगम उद्देश्यों तक पहुँचाने में हम कामयाब हो जाएँ... आरजू के साथ...

कहानी

झटपट और नटखट

अधिगम उद्देश्य :

1. कम शब्दों में विशाल आशय के संप्रेषण करने में दोहे की सक्षमता पहचानने को समर्थ बनाना।
2. यह आशय पहुँचाना कि कबीर ने अपने दोहे में प्रेम का महत्वपूर्ण वर्णन किया है।
3. चित्र के विश्लेषण के द्वारा प्रश्नों का आशय समझकर मौखिक अभिव्यक्ति करने की दक्षता बढ़ाना।
4. प्यार और खुशी के परस्पर संबंध को समझाना ।
5. सरल वाक्यों की संरचना को समझाना और उनका प्रयोग कराना।
6. नए शब्दों का परिचय देते हुए दूसरे संदर्भ में उनका उपयोग करने की क्षमता बढ़ाना ।
7. पारिवारिक बंधन की मज़बूती को समझाते हुए ज़िम्मेदारी और सहयोग की भावना विकसित कराना।
8. दूसरों को उचित मान्यता देते हुए स्वजीवन में खुशी फैलाने का मनोभाव पैदा करना।
9. कहानी की घटनाओं को सही क्रम से पहचानने और समझने की अवधारणा पैदा करना।
10. पारिवारिक जीवन में सहकारिता का बोध पैदा करना।
11. सहकारिता और आदान-प्रदान के द्वारा संतुष्ट जीवन बिताने का मनोभाव जगाना।
12. वाक्य संरचना में विराम चिह्नों की अहमियत समझाना ।
13. विभिन्न प्रकार के विशेषणों के उचित प्रयोग द्वारा भाषाई सौंदर्य बढ़ाने में सक्षम बनाना।
14. कहानी के पात्रों की विशेषताएँ पहचानने की क्षमता बढ़ाना ।
15. 'आना' शब्द के विशेष अर्थ से परिचय कराना।
16. हरेक में मौजूद हुनर को पहचानने में समर्थ बनाना।
17. विभिन्न घटनाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्त करने की क्षमता बढ़ाना।
18. सूचनाओं के संप्रेषण केलिए पर्याप्त पोस्टर के सृजन की क्षमता बढ़ाना।
19. आपातकालीन स्थिति में दूसरों की मदद करने और संदर्भानुकूल कार्य करने में सक्षम बनाना।
20. वर्तमानकालीन वाक्यों में कर्ता-क्रिया अन्विति की विशेषता समझकर नए संदर्भ में प्रयोग करने की क्षमता बढ़ाना।
21. स्पष्ट, संक्षिप्त और स्वाभाविक ढंग से बातचीत करने और बातचीत लिखने में सक्षम बनाना।
22. प्रौद्योगिकी की मदद से आत्मविश्वास के साथ प्रभावी ढंग से कहानी प्रस्तुत करने में समर्थ बनाना।

आशय धारणाएँ :

1. कम शब्दों में विशाल आशयों के संप्रेषण के लिए दोहा एक सशक्त माध्यम है।
2. प्रेम और ज्ञान परस्पर संबंधित है, बिना प्यार के कोई ज्ञानी नहीं बनता।
3. चित्रों के विश्लेषण के द्वारा आशयों का संप्रेषण संभव है।
4. प्यार और खुशी परस्पर संबंधित हैं।
5. सरल वाक्यों के ज़रिए आशयों का संप्रेषण आसान है।
6. शब्द भंडार की वृद्धि होने से पढ़ने, बोलने और लिखने की गति में उन्नति और सटीकता आती है।
7. समानुभूति के साथ दूसरों की मदद करने से जिंदगी सफल बनती है।
8. औरों की परवाह करने से ज़िंदगी संतोषमय हो जाती है।
9. घटनाओं को क्रमबद्ध करने से कहानी के आशय को समग्रता के साथ ग्रहण कर सकता है।
10. पारिवारिक जीवन में ज़रूरत पड़ने पर औरों के प्रति हमदर्दी और समानुभूति दिखानी है।
11. दूसरों के साथ सहयोगपूर्ण और प्रेमपूर्वक व्यवहार करना है।
12. पूर्ण विराम, अर्ध विराम, अल्प विराम, अवतरण चिह्न आदि के उचित प्रयोग से आशयों की स्पष्टता सुनिश्चित हो जाती है।
13. आशयों की स्पष्टता आसान हो जाने के लिए विशेषणों का सही प्रयोग सहायक है।
14. कहानी के हर एक पात्र का अपना अपना व्यक्तित्व होता है।
15. प्रसंग के आधार पर शब्दों के अर्थ में परिवर्तन आता है।
16. हर व्यक्ति कुछ न कुछ हुनर रखता है।
17. किसी घटना का स्वभाषा में आख्यान करना एक भाषाई दक्षता है।
18. सूचनाओं का प्रचार-प्रसार करने में पोस्टर एक सार्थक उपाय है।
19. आपातकालीन स्थिति में औरों की सहायता करना अनिवार्य है।
20. वर्तमानकालिक वाक्य संरचना में क्रिया का रूप कर्ता के लिंग-वचन के अनुसार रहता है।
21. औरों के साथ स्पष्ट, संक्षिप्त व स्वाभाविक ढंग से बातें करना एवं संवाद लिखना एक भाषाई दक्षता है।
22. प्रौद्योगिकी की मदद से कहानी को प्रभावी ढंग से पेश कर सकता है।

मूल्य और मनोभाव

- दोहे के श्रवण और वाचन में तत्परता दिखाता है।
- जिंदगी में प्यार और दोस्ती बनाए रखने की कोशिश करता है।
- चित्रों का विश्लेषण करके आशय प्रकट करने में रुचि बढ़ जाती है।
- सहजीवियों के प्रति प्यार और हमदर्दी का भाव दिखाता है।
- सरल वाक्यों के द्वारा विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करता है।
- बोलने, पढ़ने और लिखने में रुचि बढ़ जाती है।
- प्यार, रिशता और दोस्ती का महत्व पहचानकर उचित व्यवहार करता है।
- क्षमा और समझौता करने की क्षमता को अपनाकर ज़िम्मेदारी निभाता है।
- कहानी के मुख्य बिंदुओं और घटनाओं को सारांशित करता है।
- परिजनों के साथ प्यार और समानुभूति के साथ व्यवहार करता है।
- सहयोगपूर्ण व्यवहार से सफल जीवन बिताता है।
- मौखिक तथा लिखित भाषा में विराम चिह्नों का उचित प्रयोग करता है।
- विशेषणों को पहचानकर प्रभावी ढंग से अपने वाक्य में प्रयोग करता है।
- औरों के चरित्र का विश्लेषण करके अच्छी बातों को अपनाता है।
- प्रसंग समझकर सही शब्दों का प्रयोग करता है।
- हरेक की कार्यकुशलता को मानता है।
- स्वाभाविक शैली में सरल भाषा का प्रयोग करके प्रभावात्मक ढंग से घटना का वर्णन करता है।
- छोटे-छोटे सरल वाक्यों में आकर्षक रूपरेखा के साथ सूचनाओं का संप्रेषण करने योग्य पोस्टर तैयार करता है।
- दूसरों के प्रति समानुभूति दिखाते हुए सामाजिक जिम्मेदारी निभाता है।
- वाक्य संरचना में नियमों का पालन करके सही प्रयोग करता है।
- दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से बातें करता है।
- प्रौद्योगिकी की सुविधा के ज़रिए और भी आकर्षक ढंग से कहानी सुनाता है।

सामग्री:

- कागज़ की कश्ती बनाने के लिए आवश्यक कागज़
- घटनाओं की सूची
- पोस्टर के आकलन सूचक
- नदी में बहती नाव का चित्र / वीडियो
- दोहे का ऑडियो
- वर्कशीट
- ...

समय:

11 कालांश

गतिविधि-1

अनौपचारिक संवादः

» **आप कहें:**

प्यारे बच्चो, नमस्कार कैसे हैं आप? सब ठीक हैं न? सबको नए शैक्षिक साल की शुभकामनाएँ। स्कूली जीवन में और एक नए साल की शुरुआत! बच्चो, आपका बड़ा सौभाग्य है! क्यों ?

आपके हाथों में आई हैं- नई-नई किताबें। नई पुस्तकों से, नवीन शैलियों के साथ हमें जीवन में और भी आगे बढ़ना है। उच्च विजय हासिल करनी है न? ज्ञान के नए-नए दरवाज़े खोलने हैं, हमें। आपके साथ हम भी होंगे, हमेशा। हम सब मिल-जुल कर आगे बढ़ें...

» **आप सब बच्चों को एक-एक कागज़ दें और कहें:**

आज हम इससे एक नई चीज़ बनाएँ।

(बच्चों को मार्ग निर्देश देने के साथ-साथ आप उन्हें दिखाते-दिखाते एक कागज़ की नाव बनाएँ। सबसे पहले जो बच्चा सफल बन जाता है उसका अभिनंदन करें। साथ ही बाकी बच्चे इस बच्चे की मदद से और आपसी सहयोग से एक-एक कश्ती बनाएँ। अब सबके हाथों में एक-एक कागज़ की कश्ती हों।)

» **आप कहें:**

प्यारे बच्चो, अब आपके हाथ में क्या है? क्या, आपने यह कश्ती स्वयं ही बनाई?

आपको किसीसे कुछ सहायता मिली? हमारे कुछ दोस्तों ने दूसरों की मदद की है न? ऐसे आपसी सहयोग से हम सब सफल हुए हैं न? तो देखिए, अब हमने मिल-जुलकर कागज़ की नाव बना दी है। हमारे हाथ में एक-एक नाव है। हमें यह नाव बहानी है। बताएं, हम यह नाव कहाँ-कहाँ बहा सकें?

- क्या, आपने कभी असली नाव देखी है? (नदी में बहनेवाली असली नाव का चित्र/ वीडियो दिखाएँ)

» **आप पूछें :**

- कहाँ-कहाँ चलने के लिए नाव का उपयोग करते हैं? (नदी में, नाले में, सागर में, ताल में, तालाब में, झरने में)
- आप ये शब्द पट पर लिखेंः (नदी, नाला, सागर, ताल, तालाब, झरना)
- छात्रों को इन शब्दों के आधार पर ग्रूप में बैठने का निर्देश दें।

» **फिर आप कहें:**

बच्चो, अब हम एक कविता पढ़ें?

'पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।'

आप चार्ट / स्लाइड/पट् पर पृष्ठ 7 का दोहा पेश करें।

- दो-तीन बच्चों से सस्वर वाचन करवाएँ।
- आप एक बार दोहा पढ़कर सुनाएँ।
- इस दोहे का ऑडियो भी सुनने का मौका दें।
- आशय स्पष्ट कराने के लिए प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ:

ये किस कवि की पंक्तियाँ हैं? इन दो पंक्तियों में से परिचित शब्द बताएँ। (जग, पंडित, प्रेम, कोई)

पोथी	- मोटी किताब
जग	- संसार
आखर	- अक्षर
पढ़ि-पढ़ि	- पढ़कर
मुआ	- मर गया

पंडित - ज्ञानी

इनमें स्नेह का समानार्थी शब्द कौन-सा है? (प्रेम)

» **आप नीचे की तालिका के ये शब्द चार्ट / स्लाइड / पट पर प्रस्तुत करें।**

पूछें:

- यहाँ 'पोथी' शब्द का अर्थ क्या है?
- 'पढ़ि-पढ़ि' प्रयोग से आप क्या समझते हैं?
- यहाँ 'जग मुआ' शब्द का अर्थ क्या है?
- 'संसार मर गया' माने क्या है?
- 'संसार मर गया' का तात्पर्य क्या होगा?
- तो संसार के कई लोगों का जीवन कैसे बीत गया?
- क्या, सिर्फ़ बड़ी-बड़ी किताबें पढ़ने से ही कोई पंडित बन जाएगा?
- तो फिर एक सच्चा पंडित कैसे बन जाएगा?
- यहाँ का ढाई अक्षर वाला शब्द कौन-सा है?
- कबीर यहाँ प्रेम का गुण-गान कैसे करते हैं?
- तो सुनाएँ, इन पंक्तियों का मुख्य विषय क्या होगा?

» **आप दोहे की पंक्तियाँ और एक बार पढ़कर सुनाएँ और पूछें:**

» जीवन में हमें दूसरों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए? प्रेम से, नाराज़ से, द्वेष से.....

- तो प्रेम ही ज़िंदगी में सबसे अमूल्य गुण है, न?
- हम अपने माँ-बाप के साथ, दोस्तों के साथ प्रेम-पूर्ण व्यवहार दिखाते हैं तो हमें
- कौन सा अनुभव होता है? (सुख, खुशी, संतोष)

ठीक है, दूसरों से प्रेम करने से हमें खुशी मिलती है, साथ ही वे भी खुश हो जाते हैं।

» **संक्षिप्तीकरण करें:**

> कबीर अपने इस दोहे की पंक्तियों में प्यार का महत्व प्रकट करते हैं। उनका कहना है कि मोटी-मोटी किताबें (ग्रंथ) पढ़ते-पढ़ते संसार में कितने ही लोगों की ज़िंदगी बीत गई! ऐसे पुस्तकें पढ़ते रहने से ही कोई भी असली विद्वान न बन सका। यदि कोई प्रेम या प्यार का महत्व अच्छी तरह समझ लें, तो वही सच्चा ज्ञानी होगा। बिना प्यार से ज्ञान नहीं होगा। प्यार के बिना कोई ज्ञानी न होगा।

» **पृष्ठ 7 के चित्र (इकाई का मुखपृष्ठ) की ओर बच्चों का ध्यान दिलाते हुए आप पूछें:**

- इस चित्र में आप क्या देखते हैं?
- वे क्यों ऐसा करते होंगे?
- उनके बीच में कैसा संबंध होगा?
- हम कब ऐसे उछल-कूद सकते हैं?
- जीवन संतोषमय होने के लिए समाज में कैसा व्यवहार करना उचित है?
- तो देखें, प्यार और खुशी के बीच में गहरा संबंध है न?

ऐसे, आपसी प्यार रखते हुए एक साथ ही स्कूल आने-जाने वाले दो भाइयों से हम कल मिलेंगे।

अनुबद्ध कार्य:

पठित दोहा तथा उसका मुख्य आशय पुस्तिका में लिखें।

गतिविधि-2

» **आप पृष्ठ संख्या 8 का चित्र दिखाएँ और पूछें:**

- चित्र में कितने बच्चे हैं? वे क्या कर रहे हैं?
- वे क्यों ऐसे दौड़ कर आ रहे होंगे?
- वे कहाँ से आ रहे हैं?

ठीक है, हम देखेंगे, वे दोनों बच्चे क्यों दौड़ रहे हैं? ज़रा कहानी पढ़कर देखें। ('एक था झटपट..... बहती नदी को निहारने लगता है।')

» **वाचन प्रक्रिया चलाएँ।**

- वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ।
- वाचन की ओर ले जाने के लिए एक विशेष प्रक्रिया आप दें।
- आशय समझने के लिए पृष्ठ 15 की शब्दावली की मदद लेने को कहें।
- दलों में भी विचार-विनिमय का मौका दें।

» आशयों की स्पष्टता के लिए आप ये प्रश्न करें:

झटपट और नटखट किस कक्षा में पढ़ते थे?
बेड़े भाई का नाम क्या था?
वे कैसे स्कूल आते-जाते थे?
स्कूल के रास्ते में दोनों को क्या-क्या चीजें देखने को मिलती थीं?
माँ ने बडे भाई को क्या-क्या हिदायतें देती थीं?
झटपट को कभी पीछे मुड़कर देखना पड़ता था-क्यों?
माँ की हिदायत का पालन करने के लिए झटपट को क्या-क्या करना पड़ता था?
झटपट क्यों परेशान हो जाता था?
झटपट ने माँ से क्या शिकायत की?
माँ ने बड़े भाई को क्या जवाब दिया?
"और बड़े को तो छोटे का ध्यान रखना ही पड़ता है" माँ के इस कथन से आप सहमत हैं?

» **संक्षिप्तीकरण करें:**

गाँव के घर में रहने वाले दो भाई थे— झटपट और नटखट। दोनों घर से दूर दूसरे गाँव के स्कूल में पढ़ते थे। वे दोनों भाई हैं साथ ही पक्के दोस्त भी हैं। छोटा और बड़ा हमेशा एक साथ ही स्कूल आते जाते थे। छोटा भाई नटखट रास्ते में शरारत करता था। बड़ा भाई इससे बहुत परेशान था। वह अपनी परेशानी माँ से प्रकट करता है। तो माँ उसको हिदायत देती है कि बड़े को तो छोटे का ध्यान रखना ही पड़ता है। वह माँ की बातों से सहमत होता है। हमेशा छोटे भाई को साथ लेकर ही आता-जाता है।

» **चर्चा जारी रखने के लिए आप पूछें:**

- स्कूल जाते समय छोटा भाई कैसे झूला झूलता था?
- नदी के पुल पर पहुँचते ही नटखट क्या करता था?

» **आप चार्ट / स्लाइड / पट / कागज़ के ज़रिए नीचे दिए कार्य प्रस्तुत करें:**

सही प्रस्ताव के सामने सही का चिह्न लगाएँ:

- नटखट स्कूल जाते समय तालाब से मछलियाँ पकड़ता था। ☐
- बरगद की जड़ें पकड़कर झूला झूलना नटखट का शौक था। ☐
- आम और अमरूद तोड़ने के लिए नटखट बागों में घुसता था। ☐
- स्कूल जाने के लिए नटखट को नदी तैर कर पार करना पड़ता था। ☐
- नटखट तालाब के बतखों को देखते रहना चाहता था। ☐

» **अब आप पूछें:**

- 'नटखट कुछ ज़्यादा ही नटखट है' ऐसा क्यों कहा गया है?

(नटखट स्कूल जाते समय बरगद की जड़ों पर झूलता है, बाग में कूदकर आम या अमरूद तोड़ता है, नाले के इधर-उधर छलांग मारता है। तो झटपट भी ठीक समय पर स्कूल नहीं पहुँच पाता है। इसलिए ऐसा कहा गया है।)

- आप हाव-भाव, उतार-चढ़ाव, स्वराघात, बलाघात आदि पर ध्यान रखते हुए कहानी का सस्वर वाचन करके बच्चों को सुनाएँ।

अनुबद्ध कार्य:

नटखट के व्यवहार से झटपट बहुत परेशान है। घर जाकर वह माँ से शिकायत करता है। माँ और झटपट के बीच की संभावित बातचीत लिखें।

गतिविधि - 3

अनुबद्ध कार्य की जाँच करें।

» **आप पूछें:**

- माँ से शिकायत करने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या कोई परिवर्तन आया?

फिर कहें:

ठीक है, कहानी के बाकी भाग से हम गुज़रें। हम देखें- कहानी में आगे क्या हुआ होगा?

» **वाचन प्रक्रिया जारी रखें।**

('एक दिन तो .... माँ से मेरी शिकायत करोगे।')

- वैयक्तिक वाचन के बाद दो-तीन छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ।
- चुनिंदे छात्रों को कहानी के आगे की घटनाएँ सुनाने का मौका दें।
- पृष्ठ 15 की शब्दावली की मदद से वाचन और भी गहरा हो जाएँ।
- आशयों की दृढ़ता के लिए आप ये प्रश्न भी पूछें।

» **चर्चा चलाएँ**

- 'नटखट ने हद ही कर दी।' -इससे आप क्या समझते हैं?
- छोटे ने बस्ते में क्या बनाकर रखी थी? (नाव)
- स्कूल से लौटते समय छोटे भाई ने नदी किनारे पर क्या किया?
- झटपट क्यों घबरा गया?
- झटपट को छोटे भाई पर क्यों गुस्सा आया?
- नटखट पानी में कैसे गिर पड़ा?
- झटपट ने कैसे अपने छोटे भाई की जान बचाई?
- झटपट का गुस्सा प्यार में बदल गया- क्यों?
- जान बचने के बाद भी नटखट रोता रहा। क्यों ?
- रोते हुए नटखट ने झटपट से क्या कहा?

संक्षिप्तीकरण करें:

छोटा भाई नटखट का व्यवहार उसके नाम के समान ही था। बड़े भाई की माँ से शिकायत करने के बाद भी नटखट पर कोई परिवर्तन नहीं आया। एक दिन स्कूल से वापस आते समय वह नदी के किनारे उतर गया। कागज़ की कश्ती बहाने लगा और देखते-देखते तालियाँ बजाता रहा। तो बड़ा भाई छोटे पर नाराज़ हुआ। अचानक बड़े की आवाज़ सुनकर छोटा घबरा गया। पैर फिसल कर नदी के पानी में गिर पड़ा। पानी में तेज़ बहाव था। छोटा नदी में बहते-बहते दूर जाने लगा। बड़ा भाई तुरंत नदी में कूद पड़ा। थोड़ी दूर तैरकर छोटे को पकड़ लिया। जान बचाने

के बाद भी नटखट बहुत परेशान दिखा कि अपनी माँ से यह बात कैसे छिपा रखें। बचपन में ही तैरना सीखना है। ऐसी दुर्घटनाओं से हमें बचना चाहिए।

» कहानी की अब तक की घटनाएँ पेश करने का मौका दो-तीन छात्रों को दें।

» आप चार्ट / स्लाइड़ / पट / कागज़ के ज़रिए या मौखिक रूप से यह कार्य पेश करें। छात्रों से अपनी पुस्तिका में उत्तर लिखवाएँ:

कहानी की घटनाओं को क्रमबद्ध करके लिखें:

- अपने छोटे भाई की घबराहट देखकर झटपट को उसपर प्यार आ गया।
- नटखट पैर फिसल कर पानी में गिर गया।
- नटखट को अपने साथ न देखकर बडा भाई घबरा गया।
- कश्तियाँ बहते देखकर नटखट ने ताली बजाई।
- झटपट और नटखट नदी के किनारे से होकर घर वापस आ रहे थे।
- बड़े की आवाज़ सुनकर नटखट चौंक गया।
- छोटे ने बैग से कागज़ की कश्तियाँ निकालीं।
- झटपट ने नदी में कूद कर छोटे की जान बचाई।

अनुबद्ध कार्य:

बड़े भाई ने आज छोटे की जान बचाई। लिखें, नटखट की उस दिन की संभावित डायरी।

गतिविधि -4

- अनुबद्ध कार्य की जाँच:
- हरेक दल से एक-एक की प्रस्तुति।
- आवश्यक सुधार का निर्देश दें।

» **आप कहें,**

- देखें, दोनों भाई नटखट और झटपट नदी किनारे पर भीगी भीगी खड़े रहे हैं। अब हम देखें आगे क्या हुआ होगा?
- वाचन प्रक्रिया चलाएँ:

(अगर न करूँ तो .... हाथ पकड़े साथ-साथ)

- वैयक्तिक वाचन के बाद दो-एक छात्रों से सस्वर वाचन भी करवाएँ।
- शब्दावली की मदद लेकर वाचन करने की सलाह दें।
- सही आशय सुनिश्चित करने के लिए आप ये प्रश्न भी पूछें:
    - नटखट क्यों रो रहा था?
    - झटपट ने क्या शर्त लगा दी?
    - बड़े भाई ने छोटे को कैसे सांत्वना दी?

» **चर्चा चलाएँ :**

- दलों में विचार-विनिमय का अवसर दें।
- आप चार्ट / स्लाइड़ / पट / कागज़ के ज़रिए कक्षा में पेश करें, छात्रों से जवाब बतलाएँ, पुस्तिका में लिखवाएँ।

लिखें, किसने कहा? किससे कहा ?

	किसने कहा ?	किससे कहा ?
तुम मुझे तैरना सिखा दोगे?		
हमें भीगे कपड़ों में देख माँ पूछेंगी।		
मुझे कागज़ की नाव बनाना नहीं आता।		
आओ दौड़ लगाते हैं, कपड़े अपने आप सूख जाएंगे।		

» आप पूछें:

- झटपट क्यों चिंतित हो गया?
- कपड़ा सुखाने के लिए नटखट ने क्या उपाय सोचा?
- कपड़े सुखाने के लिए दोनों भाइयों ने एक उपाय किया। और क्या-क्या उपाय हो सकते हैं?

» **संक्षिप्तीकरण करें:**

छोटा भाई नटखट चाहता है कि नदी में गिरने की बात अपनी माँ न जानें। यह छुपाने के लिए नटखट बड़े को वादा देता है कि उसको कागज़ की कश्ती बनाना सिखाएँ। बदले में झटपट छोटे को तैरना सिखाने का वादा भी देता है। तब दोनों परेशान होते हैं कि उनके कपड़े भीग गए हैं। इसीसे माँ सब कुछ समझ सकेगी। अब दोनों को अपना-अपना कपड़ा सुखाना है। छोटे भाई के निर्देश के अनुसार कपड़ा सुखाने के लिए दोनों भाई दौड़ते जाते हैं। ऐसे छोटे-छोटे उपाय ज़िंदगी में कभी-कभी बहुत काम आते हैं।

अनुबद्ध कार्य :

कपड़े सुखाने के पाँच उपायों को सूचिबद्ध करके पुस्तिका में लिखें।

गतिविधि -5

अनुबद्ध कार्य की जाँच करें।

» **आप कहें:**

हमारे दोनों भाइयों के (झटपट और नटखट के) कपड़े सूख गए होंगे क्या? देखें, कहानी के अंतिम भाग से हम गुज़रें।

- वाचन प्रक्रिया चलाएँ।

(सर्दियाँ अभी शुरू ... ध्यान से देख रहा था।)

पहले वैयक्तिक रूप से मौन-वाचन करवाएँ।

कहानी के अंतिम पड़ाव तक पहुँचाने के लिए दलों में विचार-विनिमय का मौका दें।

आप पूरे दलों से ये प्रश्न करें :

- दोनों भाई क्या-क्या पार करते हुए दौड़ते रहे?
- दोनों थक गए-क्यों ?
- क्या, दोनों के कपड़े सूख गए?
- दोनों भाई खुश हो गए, क्यों?
- 'पोखर' सब्द का अर्थ क्या है?
- तालाब के किनारे पहुँचने पर नटखट ने क्या किया?
- कौन किसको गिट्टी पैराना सिखाता है?
- क्या, आपको गिट्टी पैराना आता है?
- 'ध्यान बँटना' -का मतलब क्या है?

- चर्चा के बाद आप ही कहानी के इस अंश का और एक बार पढ़कर सुनाएँ।
- वाचन में हाव-भाव, उतार-चढ़ाव, स्वराघात, बलाघात आदि पर ध्यान रखें। आवश्यक व्याख्या के साथ संक्षिप्तीकरण दें:

> स्कूल से वापस आते समय इतना दौड़ते-दौड़ते दोनों भाई बहुत थक गए थे। पर कपड़े सूख जाने पर दोनों को खुशी भी हुई। तालाब के किनारे पर नटखट ने गिट्टी पैरा कर दिखाया। साथ ही वह अपने बड़े भाई को यह सिखाता है। झटपट यह नहीं सीख सकता। नटखट उम्र में छोटा है, पर समझ में तेज़ है।

> **गिट्टी पैराना क्या है?**
>
> ईंट या पत्थर का तोड़ा हुआ छोटा पतला टुकड़ा गिट्टी कहलाता है। गाँव के बच्चे पोखर या तालाबों में यह टुकड़ा इस प्रकार फेंक कर खेलते हैं कि गिट्टी पानी के ऊपर गेंद की भांति उछलती जाती है। इस प्रकार फेंकने में अभ्यास की ज़रूरत है।

अनुबद्ध कार्य दें :

कहानी के पूरे अंश से सात मुख्य घटनाएँ छाँटकर लिखें।

गतिविधि - 6

» **आप पूछें:**
- इस कहानी के मुख्य पात्र कौन-कौन हैं?
- उनके व्यवहार की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

- फिर पृष्ठ संख्या 11 की तालिका से वाक्य बनवाएँ।
  जैसे: झटपट को नदी में तैरना आता है।
- पहले बच्चे छह वाक्य वनाकर सुनाएँ, फिर पुस्तिका में लिखें।
- आप पट पर लिखें:
  दोनों भाई **साथ-साथ** स्कूल आते।

» पूछें:
- यहाँ रेखांकित शब्दों की विशेषता क्या है?
- पाठ भाग में ऐसे और भी शब्द हैं? तो ऐसे शब्द जोड़ों के नीचे रेखांकित करें।
- पृष्ठ संख्या 11 का कार्य करवाएँ:

» **आप पूछें:**
- नटखट कहाँ कागज़ की नाव बहाता था?
- तो क्या हो गया?
- क्या, नटखट को तैरना आता था?
- क्या, तुमको तैरना आता है?
- तो, तुम को ऐसे और क्या-क्या आते हैं?
- पृष्ठ संख्या 11 का तीसरा कार्य करने का निर्देश दें।

गतिविधि-7

» **आप पूछें:**

- क्या, नटखट और झटपट शहर में रहते थे या गाँव में?
- वे कॉलिज के विद्यार्थी हैं या स्कूल के?

» **कहें:**

ऐसे कुछ प्रस्ताव पृष्ठ संख्या 12 में दिए हैं। उनमें से सही प्रस्ताव चुनकर क़ॉपी में लिखें।

» **आप पूछें:**

- कुछ दिन पहले आपने कागज़ की नाव बना दी थी। क्या आपको किसीने सिखाया था वह कार्य?
- तो आपने कभी ऐसा कुछ अपने दोस्तों को सिखाया होगा।
- ऐसा कुछ सिखाने का अपना अनुभव दोस्तों से बाँटें।

» **आप पूछें:**

- किसने झटपट की जान बचाई थी?
- झटपट ने कैसे छोटे की जान बचाई?
- तो झटपट का दोस्तों ने अभिनंदन किया। बताएँ, और किस-किसने उसका अभिनंदन किया होगा?

(माँ-बाप, अध्यापक, परिवारवाले, पड़ोसी...)

स्कूल पी.टी.ए ने झटपट का अभिनंदन करने का निश्चय किया। तो उसका प्रचार कैसे करें?

(पोस्टर, उद्घोषणा, वाट्सप स्टाटस...)

हम भी उसके लिए एक पोस्टर तैयार करें। वैयक्तिक रूप से पोस्टर तैयार करें, दल में उसका परिमार्जन करें, हर एक दल से एक पोस्टर की प्रस्तुति हो।

» परिमार्जन के समय पोस्टर की रूपरेखा का परिचय दें:

- कार्यक्रम की सूचना हो
- दिन और दिनांक का बोध हो
- स्थान का ज़िक्र हो
- मेहमानों के नाम हो
- आयोजकों की पहचान हो
- आमंत्रण का संकेत हो
- रूप-रेखा आकर्षक हो

» अनुबद्ध कार्य दें :

परिमार्जित पोस्टर अपनी पुस्तिका में फिर तैयार करें।

गतिविधि-8

- अनुबद्ध कार्य की जाँच करें।
- आप ये वाक्य पट / स्लाइड पर दिखाएँ:

बच्चा मैदान में **खेलता है।**	**बच्चा** मैदान में **खेल रहा है।**
बच्चे मैदान में **खेलते हैं।**	**बच्चे** मैदान में **खेल रहे हैं।**
बच्ची मैदान में **खेलती है।**	**बच्ची** मैदान में **खेल रही है।**
बच्चियाँ मैदान में **खेलती हैं।**	**बच्चियाँ** मैदान में **खेल रही हैं।**

बच्चों को पढ़ने का अवसर दें, फिर आप पूछें:

- इन वाक्यों में रेखांकित शब्द कौन-कौन हैं?
- इन वाक्यों में कार्य करने वाले कौन-कौन हैं?
- पहले कॉलम में कार्य को सूचित करने वाले शब्द कौन-कौन हैं?
- दूसरे कॉलम में कार्य को सूचित करने वाले शब्द कौन-कौन हैं?
- प्रत्येक वाक्य के रेखांकित शब्दों के बीच क्या संबंध है?

- दोनों कॉलम के कार्य को सूचित करने वाले शब्दों में अंतर क्यों?
- कर्ता-क्रिया अन्विति पर चर्चा चलाएँ।
- 'बच्चा मैदान में खेलता है।' इसमें क्रिया पूरक 'ता है' है। क्या, इसका कोई और रूप है? वे कौन-कौन हैं?
- चर्चा के दौरान पट/स्क्रीन पर सूचीबद्ध करें। जैसे: ता है, ते हैं, ती है, ती हैं, ते हो, ती हो, ता हूँ, ती हूँ
- इन शब्द रूपों के अर्थ समान है। फिर अलग-अलग शब्द रूपों का प्रयोग क्यों?
- ऐसे और भी प्रश्नों के ज़रिए दिए गए वाक्यों के आधार पर चर्चा चलाएँ।

- फिर कहें:
  - 'बच्चा मैदान में खेल रहा है। 'इसमें क्रिया पूरक 'रहा है' है।
  - 'बच्चा मैदान में खेलता है। ' इसमें क्रिया पूरक 'ता है' है।
  - दोनों में क्रिया-पूरक अलग हैं। क्या, इससे अर्थ में कोई अंतर है?
  - इन क्रिया-पूरक रूपों से क्या पता चलता है? (इसी से पता चलता है कि कार्य किस अवस्था (समय) में है?)
  - दूसरे कॉलम के वाक्यों के आधार पर चर्चा चलाएँ। चर्चा के दौरान 'क्रिया-पूरक' शब्द पट/स्क्रीन पर दिखाएँ। जैसेः रहा है, रहे हैं, रही है, रही हैं, रहे हो, रही हो, रहा हूँ, रही हूँ पृष्ठ संख्या बारह की तालिका के आधार पर भी चर्चा चलाएँ।

» **संक्षिप्तीकरण दें :**

> वर्तमान काल की वाक्य संरचना में कार्य को सूचित करने वाले शब्द (क्रिया) का रूप कार्य करने वाले (कर्ता) के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार होता है। क्रिया रूप से ही पता चलता है कि कार्य किस अवस्था (समय) में है।

- पृष्ठ संख्या 12 के अभ्यास कार्य की ओर बच्चों का ध्यान दिला दें। पहले पाठ्य पुस्तक में लिखवाएँ, फिर दल में परिमार्जन के बाद कॉपी में लिखवाएँ।

गतिविधि-9

» आप यह वाक्य स्लाइड या पट पर दिखाएँ।

'एक था झटपट, एक था नटखट ।'

'वे दोनों गाँव में रहते थे।'

» फिर आप पूछें:
  - देखो बच्चो, कहानी के इन वाक्यों की क्या विशेषता है?
  - हर एक वाक्य में कितने शब्द हैं?
  - क्या इस वाक्य के आशय समझने में कुछ तकलीफ़ है?
  - तो आसानी से आशय समझना संभव है न?
  - क्या हम भी ऐसे कुछ सरल वाक्य बनाएँ?

(बच्चों को स्वयं ही ऐसे दो-तीन वाक्य बनाने का मौका दें, आप उनका सुधार भी करें।)

- फिर आप कहें :

कहानी में ऐसे कई छोटे-छोटे सरल वाक्यों का इस्तेमाल किया गया है। इस प्रकार की सरल वाक्य संरचना कहानी को और भी आकर्षक बनाती है।

» आप इस कहानी की वाक्य संरचना की विशेषता समझाने के लिए और भी कुछ कार्य करवाएँ।

» आप छात्रों से पृष्ठ संख्या 10 का तीसरा खंड एक बार और पढ़ने को कहें।

» फिर आप हाव-भाव, उतार-चढ़ाव, स्वराघत, बलाघात आदि पर ध्यान देते हुए इस खंड का वाचन करें।

» सुनाने के बाद फिर पूछें:

- यहाँ के पहले वाक्य पर आप ध्यान दें। ("अगर न करूँ, तो?")
- क्या इसकी कोई विशेषता है?
- क्या कोई चिह्न हैं इस वाक्य में?
- क्या सिर्फ प्रश्न चिह्न ही है यहाँ?
- तो कितने प्रकार के चिह्न हैं इसमें?
- इस खंड के बाकी वाक्यों में और क्या-क्या चिह्न हैं?
- ऐसे विराम चिह्नों के प्रयोग से क्या-क्या लाभ हैं?

» आप स्लाइड / पट पर ऐसे विराम चिह्नों का प्रदर्शन करें।

» फिर पूछें, वाक्य संरचना में ऐसे विराम चिह्नों से क्या लाभ है?

संक्षिप्तीकरण करें :

तो देखो बच्चो, ऐसे कई तरह के चिह्न हैं। जैसे विराम, अर्धविराम, प्रश्न, अल्पविराम, अवतरण चिह्न आदि। इनके उचित प्रयोग से आशयों का संप्रेषण बहुत प्रभावी बन जाता है।

» प्रश्न चिह्न और विस्मयादि बोधक चिह्नवाले पाँच वाक्य कहानी से छाँटकर पुस्तिका में लिखने की सलाह दें।

» आप यह वाक्य स्लाइड पर या चार्ट पर दिखाएँ :

'मौसम साफ़ था।'

» पूछें:

- यहाँ के रेखांकित शब्द कौन-कौन हैं?
- इन दोनों शब्दों में क्या संबंध है?
- मौसम कैसा था? (साफ़)
- 'साफ़' शब्द से मौसम की एक विशेषता सूचित होती है न?
- यहाँ 'मौसम' संज्ञा शब्द है तो 'साफ़' कौन सा शब्द है?

संक्षिप्तीकरण करें :

हाँ, 'साफ़' शब्द यहाँ विशेषण शब्द है, मौसम की विशेषता 'साफ़' शब्द से प्रकट है। विशेषण और विशेष्य का प्रयोग समझाने के लिए और भी वाक्यों का इस्तेमाल आप करें।

- बच्चों को निर्देश दें कि ऐसे और कई विशेषण शब्द इस कहानी में हैं।
- आप इन सबको पहचानकर पुस्तिका में लिखें, साथ ही अपने वाक्य में प्रयोग करें।

गतिविधि-10

» **आप पूछें :**

- इस कहानी के मुख्य पात्र कौन-कौन हैं?
- कौन नदी में गिर पड़ा था?
- छोटे की जान कैसे बच गई?
- दोनों बच्चों को कौन हिदायत देती थी?
- नटखट ने रास्ते की सारी घटनाएँ किसको सुनाई होंगी?

तो हम लिखें, माँ और नटखट के बीच की संभावित बातचीत।

» **छात्र वैयक्तिक रूप से बातचीत लिखें।**

- चुनिंदे छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ।

- दलों में विचार-विमर्श करके बच्चे बातचीत तैयार करें।
- प्रत्येक दल प्रस्तुत करें।
- चाहें तो आप अपनी ओर से बातचीत का नमूना प्रस्तुत करें।
- संशोधन कार्य चलाएँ।

» आप पूरी कहानी का एक बार सस्वर वाचन करें और बच्चों को सुनने का मौका दें

- फिर हर एक दल के दो-दो छात्रों से कहानी के एक-एक खंड का सस्वर वाचन करवाएँ।
- आप आवश्यक सुधार का निर्देश दें।
- इसके बाद दुबारा वाचन करके रेकॉर्ड करें।
- डिजिटल लाइब्रेरी में इस वाचन का रेकॉर्ड फ़ाइल सुरक्षित रखें ।

अतिरिक्त कार्यः

» कहानी की मुख्य घटनाओं का मंचन करें।

» कहानी की मुख्य घटनाओं के आधार पर अनिमेटड फ़िल्म बनवाएँ।

» कहानी के मुख्य पात्रों के चाल-चलन को जोड़ते हुए अलग-अलग प्रसंगों के चित्र खींचें।

» उनमें कहानी-वाचन का ऑडियो मिलाकर चल-चित्र बनवाएँ।

कविता

बहुत दिनों के बाद

अधिगम उद्देश्य :

1. कविता के रूपपरक व भावपरक पहलुओं के विश्लेषण द्वारा आशयग्रहण करके कवितापाठ करने को सक्षम बनाना।
2. बचपन की यादों से भरी कविता पढ़कर उसका मूल भाव समझने को समर्थ बनाना।
3. प्रसंग और संकेतों की सहायता से कविता में प्रयुक्त अपरिचित शब्दों के अर्थ निर्धारित करने व उनको परिभाषित करने को सक्षम बनाना।
4. विचारों व भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए प्रयुक्त शब्दावली, ताल-लय पैदा करने वाली छंद-योजना, अर्थ की गहराई के द्योतक प्रतीक, कल्पना का प्रयोग आदि का विश्लेषण करके कविता का बहुस्तरीय आशय समझने की क्षमता बढ़ाना।
5. शब्दों की तालात्मक पुनरावृत्ति, अलंकार, अनुप्रास आदि के सामंजस्य से उत्पन्न कविता के सौंदर्य को समझने की क्षमता पैदा करना।
6. देहाती इलाकों के प्राकृतिक सौंदर्य के वर्णन के लिए, कविता में प्रयुक्त चित्रात्मक भाषा पहचानने को सक्षम बनाना।
7. कविता के अनोखे वर्णन द्वारा प्रकृति सौंदर्य को बनाए रखने का बोध दिलाना।
8. कविता का सौंदर्य बढ़ानेवाले विशेषार्थी क्रिया-विशेषण अव्यय को पहचानने की क्षमता बढ़ाना।
9. विशेषण-विशेष्य संबंध पहचानकर नए संदर्भ में प्रयोग करने की दक्षता प्रदान करना।
10. कविता के शिल्पपक्ष और भावपक्ष की विशेषताएं पहचानने की दक्षता प्रदान करना।
11. कवि एवं कविता का परिचय, पंक्तियों का भावार्थ, अपना विचार, शीर्षक आदि के साथ कविता का आशय लिखने की दक्षता प्रदान करना।
12. कविता का आशय, भाव, छंद योजना आदि समझकर बेहतरीन उच्चारण शैली और अंग-भंगिमा के साथ आलाप करने की क्षमता पैदा करना।

आशय / धारणाएँ :

1. कवितापाठ को सफल और सक्रिय बनाने के लिए कविता के बहुस्तरीय आशयों से अवगत होना ज़रूरी है।
2. बचपन की मधुर यादें हमेशा मनमोहक हैं।
3. किसी कविता का आशय समझने के लिए उसे बारीकी से पढ़ने, मुख्य शब्दावली के कोशीय अर्थ और भावार्थ पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है।
4. प्रयुक्त शब्दावली, छद-योजना, बिंब और प्रतीक, कवि-कल्पना आदि का विश्लेषण कविता का बहुस्तरीय वाचन करने में रुचि रखता है।
5. शब्दों की तालात्मक पुनरावृत्ति, अलंकार, अनुप्रास आदि के सामंजस्य से कविता का सौंदर्य बढ़ता है।
6. चित्रात्मक भाषा का प्रयोग कविता का सौंदर्य बढ़ाता है।
7. प्रकृति के अनोखे सौंदर्य को बनाए रखना है।
8. विशेषार्थी क्रिया विशेषण अव्यय का प्रयोग करने से कविता का आशय और गहरा हो जाता है।
9. विशेष्य के लिंग और वचन के अनुसार कुछ विशेषणों का रूप बदलता है।

10. कविता के दो पक्ष होते हैं, शिल्पपक्ष और भावपक्ष।
11. कवि एवं कविता का ज़िक्र, पंक्तियों का भावार्थ, अपना विचार, शीर्षक आदि शामिल करके कविता का आशय लिखने से कविता का परिचय संभव है।
12. कविता का आशय, भाव, छंद योजना आदि समझकर बेहतरीन उच्चारण शैली और अंग-भंगिमा के साथ आलाप करने से काव्यपाठ आकर्षक बनता है।

मूल्य और मनोभाव :

- कवितापाठ करने में रुचि रखता है।
- कविता पाठ में रुचि रखता है।
- कविता का गहरा विश्लेषण करने में तत्पर होता है।
- कविता का बहुस्तरीय वाचन करने में रुचि रखता है।
- कविता का अस्वादन करता है।
- अपनी अभिव्यक्ति में वर्णनात्मकत्मक भाषा का प्रयोग करता है।
- प्रकृति के अनोखे सौंदर्य को बनाए रखने के काम में भाग लेता है।
- विशेषार्थी क्रिया-विशेषण अव्यय का प्रयोग करता है।
- विशेषणों का सही प्रयोग करता है।
- कविता के शिल्पपक्ष और भावपक्ष की व्याख्या करने में रुचि रखता है।
- कविता का संदर्भोचित आशय लिखने में रुचि रखता है।
- कविता पाठ करने में रुचि रखता है।

सामग्री:

कवितापाठ का ऑडियो, स्लाइड, कवितापाठ का आकलन सूचक...

समय:

6 कालांश

गतिविधि-1

» आप 'मेरा नया बचपन' और 'यह दौलत भी ले लो' कविताओं की कुछ पंक्तियाँ चार्ट/स्लाइड के ज़रिए पेश करें।

ये दौलत भी ले लो ये शोहरत भी ले लो

ये दौलत भी ले लो ये शोहरत भी ले लो
भले छीन लो मुझ से मेरी जवानी
मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन
वो काग़ज़ की कश्ती वो बारिश का पानी
मोहल्ले की सब से पुरानी निशानी
वो बुढ़िया जिसे बच्चे कहते थे नानी
वो नानी की बातों में परियों का डेरा
वो चेहरे की झुर्रियों में सदियों का फेरा
भुलाए नहीं भूल सकता है कोई
वो छोटी सी रातें वो लम्बी कहानी
खड़ी धूप में अपने घर से निकलना
वो चिड़ियाँ वो बुलबुल वो तितली पकड़ना
वो गुड़िया की शादी में लड़ना झगड़ना
वो झूलों से गिरना वो गिर के सँभलना
वो पीतल के छल्लों के प्यारे से तोहफ़े
वो टूटी हुई चूड़ियों की निशानी
कभी रेत के ऊँचे टीलों पे जाना
घरौंदे बनाना बना के मिटाना
वो मा'सूम चाहत की तस्वीर अपनी
वो ख़्वाबों-ख़यालों की जागीर अपनी
न दुनिया का राम था न रिश्तों का बंधन
बड़ी खूबसूरत थी वो ज़िंदगानी

मेरा नया बचपन

बार-बार आती है मुझको मधुर याद बचपन तेरी।
गया ले गया तू जीवन की सबसे मस्त खुशी मेरी ॥
चिंता-रहित खेलना-खाना वह फिरना निर्भय स्वच्छंद।
कैसे भूला जा सकता है बचपन का अतुलित आनंद?
मैं रोई, माँ काम छोड़कर आई, मुझको उठा लिया।
झाड़-पोंछ कर चूम-चूम कर गीले गालों को सुखा दिया।
दादा ने चंदा दिखलाया नेत्र नीर-द्रुत दमक उठे।
धुली हुई मुस्कान देख कर सबके चेहरे चमक उठे।
माना मैंने युवा-काल का जीवन खूब निराला है।
आकांक्षा, पुरुषार्थ, ज्ञान का उदय मोहनेवाला है।
किंतु यहाँ झंझट है भारी युद्ध-क्षेत्र संसार बना।
चिंता के चक्कर में पड़कर जीवन भी है भार बना॥
आ जा बचपन ! एक बार फिरदे दे अपनी निर्मल शांति।
व्याकुल व्यथा मिटानेवाली वह अपनी प्राकृत विश्रांति॥
वह भोली-सी मधुर सरलता वह प्यारा जीवन निष्पाप।
क्या आकर फिर मिटा सकेगा तू मेरे मन का संताप ?

» दोनों कविताओं के पाठ का ऑडियो सुनाएँ।

» कविता पाठ की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ।

- ये दोनों कविताएँ आपको कैसे लगीं?
- क्या दोनों के पाठ में कोई अंतर महसूस हुआ है?
- तो क्या, ताल में भिन्नता क्यों?
- अगर फ़रक का कारण भाव है तो हम भाव कैसे समझें?
- आशय अथवा भाव समझने के लिए हमें क्या-क्या करना है?
- कविता-पाठ में और किन-किन बातों पर ध्यान देना है?

» चर्चा के बाद दो-तीन छात्रों से उपरोक्त कवितांश का पाठ कराएँ, फिर संक्षिप्तीकरण करें:

> लय के साथ आलाप करने से ही कविता-पाठ की संपूर्णता आती है। उसकी सफलता के लिए कविता का भाव समझकर आलाप करना अनिवार्य है। भाव आशय पर आधारित होता है। साथ ही उच्चारण पर भी ध्यान देने की ज़रूरत है। उच्चारण की गलती से शब्दार्थ ही बदल जाता है।

» **आप कहें :**

अब हम एक कविता-पाठ की तैयारी करेंगे। लें- बहुत दिनों के बाद (कविता)

सबसे पहले सभी छात्रों से मौन वाचन कराएँ।

आप आवश्यक मदद करते रहें और चुनिंदे छात्रों से प्रस्तुत करने का निर्देश दें।

» **आप कहें:**

- कविता पाठ आपको कैसा लगा?
- कविता पाठ और भी बेहतर बनाने के लिए हमें आशय समझना है।
- पृष्ठ 19 में दी हुई शब्दावली की मदद से हम इस कविता का पूरा आशय समझें।

» पर्याप्त समय देने के बाद आप पूछें।

क्या, आप कविता की सभी पंक्तियों का पूरा आशय समझ सके?

अब हम अपने दल के दोस्तों के साथ इस कविता पर चर्चा करें।

» **आप कहें:**

अगले क्लास में हम इस कविता पर और भी चर्चा करेंगे।

अनुबद्ध कार्य दें :

पठित कविता आप अपनी कॉपी में लिख लाएँ।

गतिविधि-2

» अनुबद्ध कार्य की जाँच करें।

» आप पूछें:

क्या, आपने घर में कविता-पाठ किया था?

ब्च्चो, हम अब कविता पर चर्चा करें ?

» प्रश्नों के ज़रिए आप कविता का आशय समझाएँ।

- 'अब की मैंने जी भर देखी' किसने देखी, क्या देखी?
- 'जी भर देखना' से क्या तात्पर्य है?
- यहाँ 'जी' शब्द का अर्थ क्या है?
- 'जी भर देखी' ऐसा क्यों कहा गया होगा?
- मुसकान का समानार्थी शब्द क्या है?
- ये फसलें कैसी होती हैं?

- ऐसी फसल देखने पर हमें कौन सा अनुभव होता है?
- फसलों की मुस्कान से क्या तात्पर्य है?
- 'बहुत दिनों के बाद' प्रयोग से आप क्या समझते हैं?
- क्या कवि हमेशा अपने गाँव में ही रहते थे?
- कई दिनों से वे कहाँ गए होंगे?
- कब हमें अपने गाँव से और भी गहरा प्रेम लगता है?
- बहुत दिनों के बाद कवि को क्या सुनने का मौका मिला?
- किशोरियों क्या करती हैं?
- धान कूटते समय बालाएँ अपनी खुशी कैसे प्रकट करती हैं?
- क्या आपने कोकिल को देखा है? उस पक्षी की विशेषता क्या है?
- बालाओं की आवाज़ की तुलना किससे की गई है?
- 'धान कूटती किशोरियों की कोकिल कंठी तान' इससे आपने क्या समझा?
- अपने गाँव की सुगंध कवि पर कैसा असर डालती है?
- मौलसिरी के फूल कैसे होते हैं?
- किन-किन इंद्रियों द्वारा कवि यहाँ खुश होते हैं?

संक्षिप्तीकरण करें:

हिंदी के मशहूर कवि नागार्जुन 'बहुत दिनों के बाद' शीर्षक इस कविता में अपने गाँव के प्रति लगाव को कई तरह से प्रकट करते हैं। कवि ग्रामीण प्रकृति का रमणीय और मोहक रूप देखकर आनंद का अनुभव करते हैं। कविता में कवि अपने बीत गए दिनों का स्मरण करते हैं। कवि ने यहाँ लौटकर गाँव में पकी सुनहरी फसलों को, उसकी मुसकान को, लहलहाते खेत को देखा, जो कहीं और दूसरे देश में दुर्लभ था। यहाँ अपनी आँखों की अनुभूति कवि प्रकट करते हैं।

कवि दूसरे छंद में कानों की अनुभूति प्रकट करते हैं। यहाँ कवि अपने कानों से वहाँ के स्वर को जी भर ग्रहण करते हैं। धान कूटती किशोरियाँ गीत गाती हुई प्रतीत होती हैं, जैसे किसीने कोयल को छोड़ दिया हो और वह कोयल अपने मधुर स्वर से पूरा वातावरण गुंजायमान कर रही हो। गाँव के खेतों में काम करते हुए लोग गाना गाया करते हैं। इसी प्रकार धान कूटने या और अन्य सामूहिक कार्य करते हुए गीत गाना मनोरंजन के साथ-साथ शुभ का भी संकेत है। अर्थात् अच्छी फसल हुई। इसके कारण वहाँ की किशोरियाँ गीत गाते हुए धान कूट रही हैं।

तीसरे छंद में अपनी नाक से सुगंध की अनुभूति कवि प्रकट करते हैं। बाबा नागार्जुन का गाँव ताल- तलैया और मौलिसरी के फूलों से भरा हुआ है। अपने 'तरौनी' गाँव आते-जाते रास्ते में अनेकों ताल तलैया और वृक्षों से आती सुगंध महसूस करने को मिलती है। उन्हीं मौलसिरी की सुगंध को कवि नागार्जुन ने यात्रा के बहुत दिनों के बाद ग्रहण किया, जो अन्यत्र दुर्लभ है।

» छात्रों के दलों से पठित पंक्तियों का कविता पाठ करवाएँ।

» वे आपसी आकलन भी करें।

» आप स्वयं इन पंक्तियों का आलाप करें या कविता का ऑडियो सुनाएँ।

» **अनुबद्ध कार्य दें :**

कविता की इन पंक्तियों से विशेषण शब्द चुनकर लिखें। कविता के पठित छंदों का आशय लिखें।

गतिविधि-3

- अनुबद्ध कार्य की जाँच करें।
- आवश्यक सुधार के लिए सुझाव दें।

» **आप कहें :**

अब तक कवि ने मानसिक रूप से मिली खुशी हमारे सामने कविता के ज़रिए पेश की है। आगे देखें, वे अपने संतोष का अनुभव पाठकों के सामने कैसे लाते हैं?

» आप कविता की अंतिम पंक्तियाँ पढ़ने का निर्देश दें।

» आशय समझाने के लिए प्रश्नों के द्वारा चर्चा चलाएँ।

(पहले चित्र-वाचन करने का भी मौका दें)

- इस चित्र में आप क्या-क्या देखते हैं?
- क्या, कवि का गाँव विशाल पकी सड़कों से भरा है?
- पगडंडी किसके लिए है?
- पगडंडी से कब धूल उठती है?
- इस धूल का रंग कौन-सा है?
- चंदन की विशेषता क्या है?
- 'गँवई पगडंडी की चंदन वर्णी धूल' यहाँ गाँव का कौन-सा चित्र उभरता है?
- बहुत दिनों के बाद कवि को कौन-सा विशेष खाना मिला?
- क्या, आपने 'तालमखाना' खाया है या देखा है? (आप 'तालमखाना' का परिचय दें।)

> ***तालमखाना:*** *नदी और तालाब के किनारों पर दिखाई पड़ने वाला एक प्रकार का कंटीला पौधा है ताल मखाना। यह बैंगनी-लाल और बैंगनी सफ़ेद रंग में फूलता है। ताल मखाने के बीज तिल के बीज के समान छोटे गोल आकार के होते हैं। यह आयुर्वेद की औषधि है। ग्रामीण लोग परंपरागत रूप से अपने भोजन में इसे शामिल करते हैं।*

- कवि को खाने के साथ चूसने को भी क्या मिला? 'पेट भर खाना' और 'जी भर खाना' में क्या अंतर है?

» आप श्यामपट/स्लाइड पर दिखाएं, (वाचन करने के बाद सही मिलान करके नोट पुस्तिका में लिखने का निर्देश दें।)

आस्वादन	आस्वादन के माध्यम
गंध	आँख
रूप	त्वचा
रस	कान
आवाज़	ज़बान
स्पर्श	नाक

- यहाँ 'जी भर भोगे' प्रयोग से आप क्या समझते हैं?
- 'भू' के समानार्थी शब्द क्या-क्या हैं?
- अपने शरीर के किन-किन अंगों के द्वारा कवि अपने ग्रामीण सौंदर्य का रसास्वादन करते हैं?
- संपूर्ण रूप से प्रकृति-सौंदर्य के आस्वादन में कवि कैसे सफल हो जाते हैं?

संक्षिप्तीकरण करें:

चौथे छंद में कवि ने स्पर्श की अनुभूति की है। कवि इसमें कहते हैं कि अब मैंने बहुत दिनों के बाद अपने गाँव की पगडंडियों पर चंदन वर्णी (चंदन के समान) जो धूल है उसका स्पर्श किया है, उसको महसूस किया है। इसकी खुशबू और इसकी सुंदरता और कहीं न मिल सकती है। एक व्यक्ति के लिए अपनी मातृभूमि और अपने गाँव के परिजन आदि से बेहतर सुंदर दिव्य अनुभूति और कहाँ मिल सकती है।

कवि पाँचवें छंद में स्वाद की अनुभूति प्रकट करते हैं। जैसा कि उपर्युक्त पंक्तियों में बताया कि कवि के गाँव 'तरौनी' के रास्ते में ताल तलैया और ढेर सारे वृक्षों और पुष्पों से आच्छादित पथ है। उसमें ताल मखाने जो खूब बहुतायत मात्रा में होते हैं, जिसे 'सिंघाड़ा' भी कहा जाता है। उसका स्वाद उन्होंने खूब लिया। जी भर के गन्ने का रस पिया, जो बहुत दिनों के बाद उन्हें मिला।

अंतिम छंद में कवि कहते हैं कि गाँव लौटकर बहुत दिनों के बाद मैंने जी भर के जीवन को जिया है, उसे भोगा है। अपने रस, रूप, गंध, शब्द, स्पर्श आदि इन सभी को भरपूर महसूस किया है, जो अन्यत्र कहीं भी दुर्लभ है। अर्थात् पहली पंक्तियों के सभी अनुभवों को जमा करके कवि कहते हैं कि वे अपने गाँव में ही वास्तविक जीवन को जीते हैं।

» अंतिम छंदों का भी कविता पाठ कराएँ। आप स्वयं ही उसका पाठ करें।

» **अनुबद्ध कार्य दें :**

पठित छंदों का आशय लिखें।

गतिविधि-4

» अनुबद्ध कार्य की जाँच करें, उसका आकलन करें। दल में परिमार्जन करने का निर्देश दें।

» आप पट/स्लाइड़ पर दिखाएँ:

अबकी मैंने <u>जी भर</u> छू पाया **अबकी मैंने <u>जी भर</u> देखी**

» आप पूछें:

- इन पंक्तियों में रेखांकित शब्द कौन-सा है?
- यहाँ 'जी' शब्द का अर्थ क्या है?
- 'मन भर जाना' से तात्पर्य क्या है?
- यहाँ मन किससे भर जाता है? (खुशी से / दुख से)
- 'छू पाना' शब्द का तात्पर्य क्या है?
- किसी मन पसंद चीज़ को देखने से हमें कौन-सा अनुभव होता है?
- कई दिनों के बाद अपने प्यारों के साथ पुनः मिलन होने पर कौन-सा अनुभव होता है?
- तो यहाँ कवि के मन की हालत क्या होगी?

पृष्ठ संख्या 17 का अभ्यास कार्य कराएँ।

('जी भर' शब्द का प्रयोग बार-बार हुआ है...)

» ऐसे क्रिया-विशेषण अव्ययों का परिचय दें।

» कविता में प्रयुक्त शब्दावली, छद-योजना, बिंब, प्रतीक, कवि की कल्पना पर चर्चा चलाएँ।

» आप ये वाक्यांश पट / स्क्रीन पर लिखें:

बहुत दिन / गँवई पगडंडी

पूछें: रेखांकित शब्द और दूसरे शब्द के बीच क्या संबंध है?

यहाँ पगडंडी कैसी है?

तो 'गँवई' शब्द से किसकी विशेषता प्रकट होती है?

» कविता के ये शब्द रेखांकित कराएँ :

फ़सल तान फूल धूल

• इन पदों की विशेषता सूचित करने वाले शब्द कविता से पहचान कर कॉपी में लिखवाएँ।

» आप पट पर लिखें या स्क्रीन पर दिखाएँ:

'किशोरियों की कोकिल कंठी तान'

» आप पूछें:

- यहाँ 'तान' माने क्या है?
- कवि किसकी आवाज़ की विशेषता यहाँ प्रकट करते हैं?
- यहाँ बालाओं की आवाज़ की तुलना किससे की गई है?
- कविता में, ऐसे प्रयोग से क्या लाभ मिलता है?

» कहें:

इसी प्रकार के कई विशेष प्रयोग इस कविता में है, ऐसे विशेष प्रयोग पहचान कर पुस्तिका में लिखें।

» आप कविता के शिल्पपक्ष और भावपक्ष की ओर छात्रों का ध्यान आकृष्ट करें। इसके लिए ये प्रश्न पूछें :

- कविता की छंद-योजना कितनी पंक्तियों की है ?
- प्रत्येक छंद की शुरूआत किस शब्द के साथ होती है ?
- कविता में बार-बार आनेवाली पंक्ति कौन-सी है ?
- एक ही पंक्ति की आवृत्ति का उद्देश्य क्या होगा ?
- छंद-योजना और कविता के आशय के बीच कोई संबंध है ?
- ग्रामीण सौंदर्य के चित्रण के लिए प्रयुक्त बिंब कौन-कौन से हैं?

» **आप संक्षिप्तीकरण करें :**

चार पंक्तियों की छंद-योजना कविता के मौलिक सौंदर्य का परिचय देती है। 'बहुत दिनों के बाद' वाक्यांश के साथ प्रत्येक छंद की शुरुआत और समाप्ति होती है। यह वाक्यांश ही कविता की कुंजी शब्दावली है। कविता का मर्म इसमें निहित है। इस प्रयोग से हिंदुस्तानी लोकसंगीत परंपरा की तालात्मत्कता का बोध होता है। अर्थ की दृष्टि से प्रत्येक छंद स्वयं संपूर्ण है। देखने, सुनने, छूने, सूंघने, चखने आदि क्रियाओं से सारी इंद्रियानुभूतियों का एहसास होता है। देहाती सौंदर्य को दर्शाने के लिए कवि ने पकी सुनहली फसल, चंदनवर्णी पगडंडी धूल आदि अनोखे बिंबों का सृजन किया है। ये बिंब पाठकों को देहाती संस्कृति के अनुपम सौंदर्य की ओर आकृष्ट करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि इस कविता का भावपक्ष शिल्पपक्ष के अनुरूप है और शिल्पपक्ष भावपक्ष के अनुरूप है। शिल्प और भाव का सामंजस्य कविता के बाहरी ओर भीतरी सौंदर्य को दर्शाता है।

अनुबद्ध कार्य :

कविता से विशेषण और विशेष्य पहचानकर पुस्तिका में लिखें।

गतिविधि-5

» अनुबद्ध कार्य की जाँच करें, परिमार्जन का अवसर दें।

» कविता का आशय लिखवाने का कार्य शुरू करें।

» आप पट पर लिखें:

'ग्रामीण बालाएँ मेहनत करते हुए मधुर गीत गाती हैं।'

- इसकी समान आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से पहचानकर कॉपी में लिखवाएँ।

» पृष्ठ संख्या 18 का पहला अभ्यास कार्य करवाएँ।

» समान आशयवाली पंक्तियाँ कविता से चुनकर लिखें।

» कविता का आशय लिखवाने के लिए चर्चा चलाएँ।
  - 'बहुत दिनों के बाद'- कविता के रचयिता कौन हैं?
  - आप उस कवि के बारे में क्या-क्या जानते हैं?

» पृष्ठ 19 में दिए गए कवि परिचय का वाचन करवाएँ।
  - इस कविता से आपको क्या-क्या आशय मिले?
    (मुख्य आशय संबंधी बिंदुओं को सूचीबद्ध करवाएँ।)
  - यहाँ चर्चित मुख्य विषय कौन-सा है?
  - आधुनिक युग में इस कविता की प्रासंगिकता क्या है?
  - इस कविता की भाषा परक विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
  - 'बहुत दिनों के बाद' कविता पर आपका विचार क्या है?

» चर्चा के बाद कवि और कविता का परिचय देते हुए आशय लिखने का सलाह दें।

» वैयक्तिक लेखन का मौका दें।

» दो-तीन छात्रों को पेश करने का अवसर दें।

» स्व आकलन की मदद के लिए आप इन सूचकों को पट/स्लाइड़ पर लिख दें।

आपकी रचना में:
- कवि और कविता का परिचय दिया है।
- कविता का संपूर्ण आशय लिखा है।
- कविता की प्रासंगिकता पर अपना विचार प्रस्तुत किया है।
- कविता की भाषापरक विशेषताओं का विश्लेषण किया है।

- छात्रों को निर्देश दें कि वे अपनी रचना में इन बातों का स्थान स्वयं ही परखें।
- दलों में परिमार्जन का अवसर दें।
- आप छात्रों की उपज का आकलन करें, छात्रों का स्तर बेहतर, औसत, मदद की माँग आदि समझकर टीचिंग मैनुअल में दर्ज करें।
- टीचर वेर्शन प्रस्तुत करें।
- आगे, सब छात्रों को स्तरानुकूल पहुँचाने के लिए सहायक और अनुकूल गतिविधियों का आयोजन करें।
- लेखन प्रक्रिया के दौरान चाहे तो इसका भी लाभ उठाएँ:

कवि नागार्जुन घुमक्कड़ स्वभाव के व्यक्ति थे। उन्हें एक जगह टिककर रहना नहीं आता था। वह कभी इधर तो कभी उधर घूमा करते थे और जब वह अपने गाँव लौट कर आते थे तो अपने गाँव की मिट्टी से उन्हें बहुत लगाव था। वे यहाँ जितने समय रहते उतने समय उस माटी से अनुपम प्रेम किया करते थे। यहाँ जी भर के जीवन जिया करते थे, लौट आने के बाद पाँचों इंद्रियों से सुख की प्राप्ति किया करते थे। इस कविता में उन्हीं पाँच इंद्रियों द्वारा प्राप्त किए गए सुख का वर्णन किया गया है।

पहले छंद में आँखों की अनुभूति है। कवि ने यहाँ लौटकर गाँव में पकी-पकी सुनहरी फसलों को, उसकी मुस्कान को, लहलहाते खेत को देखा, जो कहीं और दूसरे देश में दुर्लभ था। इस प्रकार की फसल कवि के गाँव तरौनी का वर्णन वैसे भी प्राकृतिक सुंदरता के तौर पर किया जाता है।

कवि दूसरे छंद में कानों की अनुभूति प्रकट करते हैं। यहाँ कवि अपने कानों से जी भर के वहाँ के स्वर को ग्रहण करते हैं। धान कूटती किशोरियाँ गीत गाती हुई प्रतीत होती हैं, जैसे किसीने कोयल को छोड़ दिया हो और वह कोयल अपने मधुर स्वर से पूरा वातावरण गुंजायमान कर रही हो। गाँव के खेतों में काम करते हुए लोग गाना गाया करते हैं। इसी प्रकार धान कूटने या और अन्य सामूहिक कार्य करते हुए गीत गाना मनोरंजन के साथ-साथ शुभ का भी संकेत है। अर्थात् अच्छी फसल हुई। इसके कारण वहाँ की किशोरियाँ गीत गाते हुए धान कूट रही हैं।

तीसरे छंद में अपनी नाक से सुगंध की अनुभूति कवि प्रकट करते हैं। बाबा नागार्जुन का गाँव ताल तलैया और मौलसिरी के फूलों से भरा हुआ है। तरौनी गाँव जाते-जाते रास्ते में अनेकों ताल तलैया और वृक्षों से सुगंध महसूस करते हैं। उन्हीं मौलसिरी की सुगंध को कवि नागार्जुन ने यात्रा के बाद बहुत दिनों के बाद ग्रहण किया, जो अन्यत्र दुर्लभ है। कवि ने गाँव लौटने पर जी भर मौलसिरी के ताज़े-ताज़े फूलों की सुगंध को महसूस किया, उसकी अनुभूति की।

चौथे छंद में कवि ने स्पर्श की अनुभूति की है। कवि इसमें कहते हैं कि अब मैंने बहुत दिनों के बाद अपने गाँव की पगडंडियों पर चंदन वर्णी (चंदन के समान) जो धूल है उसको स्पर्श किया है, उसको महसूस किया है। इसकी खुशबू और इसकी सुंदरता और कहीं न मिल सकती है। एक व्यक्ति के लिए अपनी मातृभूमि और अपने गाँव के परिजन आदि से बेहतर और सुंदर दिव्य अनुभूति और कहाँ मिल सकती है।

पाँचवें छंद में स्वाद की अनुभूति है। जैसा कि उपर्युक्त पंक्तियों में बताया कि कवि के गाँव 'तरौनी' के रास्ते में ताल तलैया और ढेर सारे वृक्षों और पुष्पों से आच्छादित पथ है। उसमें तालमखाने जो खूब बहुतायत मात्रा में होते हैं, जिसे 'सिंघाड़ा' भी कहा जाता है। उसका स्वाद उन्होंने खूब लिया। जी भर के गन्ने का रस पिया, जो बहुत दिनों के बाद उन्हें मिला। यह उनकी आत्मा की तृप्ति का साधन है जो अन्यत्र कहीं भी नहीं मिल सकता, और उससे भी बढ़कर अपने गांव, अपनी मिट्टी का स्वाद।

छठे छंद में कवि कहते हैं कि गाँव लौटकर बहुत दिनों के बाद मैंने जी भर के जीवन को जिया है, उसे भोगा है। अपने रस, रूप, गंध, शब्द, स्पर्श आदि इन सभी को भरपूर से महसूस किया है, जो अन्यत्र कहीं भी दुर्लभ है। अर्थात् कवि अपने गाँव में वास्तविक जीवन जीते हैं।

कवि का कहना है कि बहुत दिनों के बाद मुझे ग्रामीण प्रकृति का रमणीय एवं मोहक रूप देखकर आनंद का अनुभव हुआ। मैंने वहाँ की सुनहरी फसलों को मुस्कराते पाया। धान कूटती किशोरियों को मज़े के साथ कोमल कंठों से गीत गाते हुए देखा। बहुत दिनों के बाद मैंने गांव में ताजे-ताजे मौलसिरी के फूलों की सुगंध का अनुभव किया। बहुत दिनों के बाद मैंने पगडंडी पर बिखरी चंदन वर्णी धूल को छूकर अनुभव किया। कवि उपर्युक्त पूरे काव्य में ग्रामीण वातावरण का वर्णन कर रहे हैं जो शहर में दुर्लभ है।

बहुत दिनों के बाद जब कवि गाँव वापस जाते हैं तो वहाँ के ताल मखाने जी भर कर खाते हैं। गन्ने को चूसते हैं, उसका रस पीते हैं जो शहरी जिंदगी में उपलब्ध नहीं होता। गाँव में ही कुछ समय तक रहकर जी भरकर रस, रूप, गंथ, शब्द, स्पर्श आदि अनेक प्रकार का अनुभव करते हैं। सभी इंद्रियों की अनुभूति करते हैं इसीका अनुभव वे इस कविता में प्रकट करते हैं।

» **कविता पाठ की तैयारी करें।**

- कविता पाठ की सफलता के लिए अनिवार्य बातों पर चर्चा चलाएँ।
- आकलन सूचकों को सूचिबद्ध करें।
- हर दल से चुनिंदा एक छात्र भाव-ताल-लय के साथ कविता पाठ करें।
- सूचकों के आधार पर छात्रों के प्रस्तुतीकरण का आकलन बाकी बच्चे करें।
- आप भी उसका आकलन करें।
- विजेताओं का अभिनंदन करें। हो सकें तो, साथ ही पुरस्कार भी दें।
- आवश्यक सुधार करने का निर्देश आप दें।
- सुधार के बाद उनकी कविता पाठ का रेकॉर्ड कराएँ, डिजिटल लाइब्रेरी में रखें।
- हो सकें तो, सुंदर व आकर्षक पृष्ठभूमि जोड़ते हुए इसी कविता-पाठ का वीडियो बनवाएँ।

अनुबद्ध कार्य:

और कई कविताओं में प्रकृति का मन-मोहक चित्रण है। ऐसी एक कविता का चयन करके पुस्तिका में लिखें।

शस्ति/ब्लर्ब

बूढ़ी काकी

अधिगम उद्देश्य :

1. विभिन्न प्रकार के ब्लर्ब को पहचानने और समझने का अवसर देना।
2. प्रभावी ढंग से ब्लर्ब लिखने के लिए आवश्यक तत्वों को समझाना।
3. ब्लर्ब का उपयोग करके अपने विचारों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने में सक्षम बनाना।
4. ब्लर्ब का इस्तेमाल करके विभिन्न विषयों के बारे में अधिक जानने के लिए प्रेरित करना।
5. ब्लर्ब के माध्यम से दूसरों के साथ जुड़ने और विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए प्रेरित करना।
6. किसी उत्पाद, साहित्य रचना या सेवा के बारे में ब्लर्ब लिखने को सशक्त करना।
7. नवीनतम प्रौद्योगिकी की मदद से शस्ति तैयार करने में समर्थ बनाना।

आशय/धारणा

1. सिनेमा, किताब आदि का परिचय कराने में शस्ति बहुत मददगार है। ब्लर्ब के ज़रिए विभिन्न विषयों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है। साहित्यिक रचनाओं तथा उत्पन्नों के प्रचार-प्रसार में शस्तियों से लाभ उठाना है। किसी पुस्तक या चीज़ के बारे में ब्लर्ब लिखकर ग्राहकों को उसकी ओर आकर्षित कर सकता है।
2. नवीनतम प्रौद्योगिकी की मदद से ब्लर्ब और भी आकर्षक बनता है।

मूल्य और मनोभाव

- किसी पुस्तक या चीज़ के बारे में ब्लर्ब लिखकर ग्राहकों को उसे खरीदने के लिए प्रेरित करता है।
- शस्ति पढ़कर साहित्यिक परिप्रेक्ष्य का विकास करता है।
- आकर्षक और प्रभावी ढंग से शस्ति तैयार करता है।
- किसी विचार या मुद्दे के बारे में ब्लर्ब लिख कर लोगों को इसके बारे में सोचने और चर्चा करने के लिए प्रेरित करता है।

सामग्री:

बूढ़ी काकी फ़िल्म का वीडियो

समय:

3 कालांश

गतिविधि-1

» आप पूछें:

- बच्चो, आपको सिनेमा पसंद है न?
- अभी छुट्टी के दिनों में भी आपने सिनेमा देखा होगा न?
- कौन-सी फ़िल्म देखी थी आपने? तो हाल ही में देखी एक पसंदीदा फिल्म का नाम सुनाएँ।
- वह फिल्म आपको क्यों पसंद आई?
- क्या, आपको याद है, उस फिल्म की कहानी?
- आप उस फिल्म के बारे में कुछ न कुछ लिखें।

» बच्चो, आप ऐसा लिखें जिसे पढ़ने वाले को भी वह फिल्म देखने की प्रेरणा उसमें से मिले।

» सब बच्चे वैयक्तिक रूप से किसी न किसी सिनेमा के बारे में कुछ न कुछ लिखें।

» दो-तीन बच्चों से वह प्रस्तुत करवाएँ।

» स्वआकलन के लिए आप ये परिमार्जन सूचक स्क्रीन या पट पर प्रस्तुत करें।

आपकी इस टिप्पणी में

- सिनेमा के नाम का उल्लेख है।
- रचनाकार या निर्देशक का परिचय है।
- मुख्य पात्र और अभिनेता का नाम है।
- फिल्म या रचना का संक्षिप्त विवरण है।
- पाठकों के लिए प्रेरणादायक परामर्श है।

- वैयक्तिक रूप से परिमार्जन करने के लिए चर्चा भी चलाएँ।

» **आप कहें:**

तो बच्चो, अब हम अपनी पाठ्य पुस्तक से ऐसे एक पाठ भाग का वाचन करें, जिसमें एक लघु फ़िल्म के बारे में कुछ कहा गया है। हमारे इस खंड में फिल्म का नाम है, फिल्म के निर्देशक का नाम है, फिल्म का संक्षिप्त विवरण है। साथ ही हमें फ़िल्म की ओर आकर्षित करने वाली कुछ न कुछ बातें इसमें शामिल हैं। तो ऐसे संक्षिप्त विवरण को कहते हैं- शस्ति या ब्लर्ब।

» पृष्ठ संख्या 20 की 'बूढ़ी काकी' शस्ति पढ़ने का अवसर दें।

- वैयक्तिक वाचन के उपरांत चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन कराएँ।
- आशयों की स्पष्टता के लिए आप प्रश्नों के द्वारा चर्चा भी चलाएँ।
    - कौन हैं प्रेमचंद ?
    - प्रेमचंद की किस कहानी के बारे में यहाँ चर्चा की गई है?
    - 'बूढ़ी काकी' कहानी का मुख्य विषय क्या है?
    - यह कहानी किस सामाजिक यथार्थ की ओर इशारा करती है?
    - बूढ़ी काकी कैसे जीवन बिता रही है?
    - काकी की सारी संपत्ति किसको मिली थी?
    - बूढ़ी काकी को इस संसार में अपना कहने वाला कोई नहीं- क्यों?
    - बुद्धिराम और रूपा बूढ़ी काकी के साथ कैसा व्यवहार करते थे?
    - क्या, कहानी की पात्र छोटी बच्ची आपको पसंद आया?
    - इस बच्ची का कौन सा व्यवहार आपको पसंद आया ?
    - तो इस फिल्म का मुख्य पात्र कौन है?
    - गुलज़ार की लघु फिल्म का नाम क्या है?

» आप एक बार उस शस्ति का, हाव-भाव के साथ स्वराघात बालाघात आदि पर ध्यान रखते हुए सस्वर वाचन करके बच्चों को सुनाएँ।

» फिर कहें:

यहाँ हिंदी के मशहूर साहित्यकार प्रेमचंद की कहानी पर गुलज़ार की मार्मिक लघु फ़िल्म 'बूढ़ी काकी' का संक्षिप्त विवरण हमने पढ़ा। इस प्रकार किसी किताब, सिनेमा आदि का संक्षिप्त परिचय, जो पाठकों को मूल रचना की ओर आकर्षित करने लायक हो, उस विधा का नाम है- शस्ति या ब्लर्ब। उस किताब में या सिनेमा में जो कुछ हैं, वह समझने तथा परखने के लिए यह शस्ति बहुत लाभदायक है।

गतिविधि-2

» आप पाठ्य पुस्तक के पृष्ठ 21 में दिए गए विवरण पढ़ने को कहें।
  • छात्र स्वयं उसका वाचन करें।
» आप भी एक बार उसका वाचन करके आवश्यक व्याख्या भी दें।
» पृष्ठ इक्कीस के कार्य करने का निर्देश दें (फ़िल्म देखें और मुख्य घटनाओं को सूचीबद्ध करें)
» **फिर कहें:**
  • बच्चो, हमें ये घटनाएँ लिखनी हैं न?
  • अब हम कैसे लिखें?
  • तो फिल्म देखनी है न? आएँ, हम फिल्म देखें।
» आप कक्षा में फ़िल्म का प्रदर्शन करें। सब बच्चों को फ़िल्म दिखाने के बाद आप पूछें:
  • फिल्म कैसे लगी?
  • इसका नायक कौन है?
  • क्या शस्ती में पढ़ी गई बातें बिल्कुल सही हैं?
  • यह फिल्म किस विषय पर चर्चा कर रही है?
  • तो फिल्म का मुख्य संदेश क्या है?
  • बताएँ, फिल्म की मुख्य घटनाएँ कौन-कौन सी हैं?

  बच्चे जो वाक्य कहते हैं उन्हें आवश्यक सुधार करके आप पट / स्क्रीन पर लिखें।
» फिर कहें:
  • और कोई मुख्य घटना है?
  • तो इन घटनाओं का क्रम सही हैं?
» अब आप इन्हें क्रमानुसार सूचीबद्ध करें और पुस्तिका में लिखें।
» दल में हस्तांतरण करके परस्पर आकलन करवाएँ।
» आप पूछें:

  बुद्धिराम इस कहानी का एक पात्र है न?, और कौन कौन हैं इस फिल्म के पात्र ?
» बच्चों के जवाब आप पट पर लिख दें।
» कहानी के सभी पात्रों के नाम आप बच्चों से पुस्तिका में लिखवाएँ।
» आप सवाल दें:
  • इस कहानी का कौन-सा दृश्य आपको बहुत अच्छा लगा?
  • और क्यों ऐसा बहुत पसंद आया वह?
  • क्या, आप इस फिल्म से कुछ समझ सके?
  • तो इस कहानी का मुख्य विषय क्या है?
  • बताएँ, यह कहानी किस समस्या की ओर इशारा करती है?
  • इसका जवाब बच्चों से पुस्तिका में लिखवाएँ।
» चर्चा के लिए आप पूछें:
  • आपने इस साल कितनी फिल्में देखी हैं?
  • उनमें से कौन-सी फ़िल्म आपको बहुत अच्छी लगी?
  • उस फ़िल्म का नाम क्या है?
  • वह फिल्म आपको क्यों पसंद आई?
  • क्या, आपको याद है उसकी कहानी?
  • उसके मुख्य पात्र कौन-कौन हैं?

» फिर आप कहें:

बच्चो, आपने अलग-अलग फिल्म देखी हैं। उस फिल्म की ओर अपने दोस्तों को भी आकर्षित करना है। तो हम क्या करें? क्या, हम उस फिल्म की एक शस्ति तैयार करें?

» छात्रों से वैयक्तिक रूप से एक-एक शस्ति तैयार करवाएँ।

- दल में हस्तांतरण करके परिमार्जन का निर्देश दें।
- परिमार्जन के लिए आवश्यक सुझाव दें।
- आप स्लाइड / पट पर ये परिमार्जन सूचक पेश करें:

आपकी शस्ति में :

- फिल्म का नाम हो
- निदेशक व रचनाकार का नाम हो
- मुख्य पात्रों का नाम हो अभिनेता का परिचय हो
- कहानी का संक्षिप्त विवरण हो
- मुख्य समस्या की ओर इशारा हो
- फिल्म के संदेश की सूचना हो

» पृष्ठ 22 में दी गई शस्ति का नमूना पढ़ने को कहें।

» फिर आप कहें:

- अब यहाँ चर्चित आकलन सूचकों के और पाठ्य पुस्तक के नमूने के आधार पर अपनी शस्ति में आप आवश्यक सुधार करें।
- अंतिम उपज आप अपनी पुस्तिका में लिखें।
- आप सभी की उपजों का आकलन करें।
- आवश्यक सुधार का निर्देश देने के साथ ही आकलन तालिका में सबका स्कोर दर्ज करें।